डिजिटल संध्या हिन्दी दैनिक

संथाल संध्या

रविवार 18 मई, 2025 | वर्ष- 1 | अंक :60 | पृष्ठ 8

अब आदिवासी की आवाज सदन तक

Regno-T/JH/2025/0508/9358/1318 | संपर्क नंबर: 9800993294,9334344989 | Email: santhalsandhya@gmail.com

दो दिन में 174 अवैध बांग्लादेशी नागरिक पकड़े

विदेशी नागरिकों की जांच के लिए जिला पुलिस ने चलाई है मुहिमपुलिस लाइन में रखकर किया जा रहा सभी के दस्तावेजों का सत्यापन

एजेंसी। झज्जर

जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए पुलिस अभियान चला रही है। शनिवार को शुरू हुए इस अभियान में रविवार तक 174 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा जा चुका है। पुलिस ने इन सभी को पुलिसलाइन परिसर में रखा है और सभी का वेरिफिकेशन करवाया जा रहा है। इन लोगों के दस्तावेजों की जांच रिपोर्ट के आधार पर की अगली कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस प्रवक्ता सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर झज्जर पुलिस दने जिले में अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया है। शनिवार से लेकर 27 और रविवार तक 147 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए। इनमें से अधिकतर लोग जिले के ईंट भट्टों पर काम करते हैं या कूड़ा कबाड़ में से प्लास्टिक व लोहा आदि बीनते हैं। उन्होंने बताया कि सदर थाना पुलिस झज्जर और शहर थाना पुलिस ने इनको ईंट भट्टा परिसरों और अन्य स्थानों पर झुग्गियों में से पकड़ा है। पकड़े गए सभी लोगों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इन लोगों को लेकर कार्रवाई का अंतिम निर्णय जांच के बाद ही होगा।

विहिप ने अवैध विदेशियों को वापस भेजने की मांग की : उधर, झज्जर जिला के विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष राकेश भारद्वाज ने जिले में अवैध रूप से रह रहे सभी विदेशी नागरिकों को पकड़ कर जल्द से जल्द उन्हें उनके देश वापस भेजने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आए घुसपैठिए हमारे देश को कमजोर कर रहे हैं। लाखों लोगों के भारत में रहने से न केवल देश पर आर्थिक रूप से बड़ा भारी बोझ पड़ रहा है, बल्कि आपराधिक घटनाओं को भी बढ़ावा मिल रहा है।

हैदराबाद के चारमीनार के करीब लगी भीषण आग में 17 की मौत

एजेंसी। हैदराबाद

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

हैदराबाद के ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हौज इलाके में रविवार अल सुबह एक रिहायशी और व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। यह घटना हाल के वर्षों की सबसे बड़ी त्रासदियों में गिनी जा रही है। यह आग रविवार 18 मई की सुबह करीब 5:30 बजे लगी, जब अधिकांश लोग गहरी नींद में थे। आग की शुरुआत इमारत के नीचे स्थित मोती की दुकान से हुई और जल्दी ही पूरी बिल्डिंग में फैल गई। धुएं के कारण कई लोग दम घुटने से जान से हाथ धो बैठे। आग की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड ने घटना स्थल पर 11 दमकल गाड़ियां, रेस्क्यू टेंडर, ब्रोंटो स्काईलिफ्ट और फायर फाइटिंग रोबोट सहित कई संसाधन तैनात किए। घायलों को डीआरडीओ अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। फायर विभाग ने आग के कारण के रूप में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई है, जिसकी जांच जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुखद घटना पर शोक जताया और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि हैदराबाद, तेलंगाना में आग की त्रासदी से जानमाल को हुए नुकसान से गहरा दुख हुआ है।

पीएम ने आर्थिक मदद की घोषणा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।उन्होंने दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रत्येक मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, ''तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। प्रत्येक मृतक के निकट संबंधी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। हैदराबाद के चारमीनार के पास गुलजार हाउस स्थित इमारत में आज सुबह भीषण आग लग गई, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई।

लश्कर कमांडर आतंकी सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में हुए तीन बड़े हमलों से जुड़ा था नाम, अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख कमांडर आतंकी सैफुल्लाह खालिद को पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हलाक कर दिया। भारत में हुए कई आतंकी हमलों में नाम जुड़े होने के कारण सैफुल्लाह इंडिया में मोस्ट वांटेड आतंकी था। जानकारी अनुसार लश्कर कमांडर सैफुल्लाह लंबे समय से नेपाल से अपने नापाक इरादों को अमली जामा पहनाने में लगा हुआ था। फिलहाल वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मतली, बदीन कैंप से अपने काम को अंजाम दे रहा था। भारत में अलग-अलग समय में हुए बड़े आतंकी हमलों से उसका नाम जुड़ा हुआ था। इन हमलों में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में साल 2006 में हमले की साजिश रचने वालों में शामिज रहा। राहत की बात यह रही कि इस साजिश को पुलिस ने नाकाम कर तीन आतंकियों को मार गिराया था। इससे पहले बेंगलुरु में साल 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान के ऑडिटारियम में हुए आतंकी हमले और उत्तर प्रदेश के रामपुर में स्थित सीआरपीएफ कैंप पर 2008 में किए गए आतंकी हमले में भी सैफुल्लाह का हाथ रहा। आतंकी हमलों के साजिशकर्ताओं में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह का नाम प्रमुखता से लिया जाता रहा है। अब सूत्रों से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उसे ढेर कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया ने जीता स्वर्ण, हैदराबाद में रचा इतिहास

हैदराबाद। हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में शनिवार को आयोजित मिस वर्ल्ड 2025 स्पोर्ट्स चैलेंज में मिस एस्टोनिया एलिसे रैंडमा ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। यह पहली बार है जब एस्टोनिया की किसी प्रतिभागी ने 1999 के बाद मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ एलिसे यूरोप की शीर्ष 10 क्वार्टर-फाइनलिस्ट्स में शामिल हो गई हैं। इस प्रतिष्ठित स्पोर्ट्स चैलेंज में विश्वभर की 108 सुंदरियों ने भाग लिया, जिन्हें चार क्षेत्रीय टीमों—अमेरिकाज और कैरिबियन, अफ्रीका, यूरोप, तथा एशिया और ओशिनिया—में बाँटा गया था। प्रतियोगिता में बैडमिंटन नॉकआउट, शॉट पुट, शतरंज, बास्केटबॉल, फुटबॉल पेनल्टी शूटआउट, शटल रन, स्प्रिंट और जुम्बा सत्र जैसे विविध एथलेटिक इवेंट शामिल थे। इस चुनौती का उद्देश्य केवल शारीरिक क्षमता नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता और टीम भावना का मूल्यांकन करना था। मिस मार्टीनिक ऑरैलि जोआचिम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रजत पदक प्राप्त किया, जबकि मिस कनाडा एम्मा मॉरिसन ने बैडमिंटन स्पर्धा में शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की गई जान, हजारों हुए बेघर

टोरनेडो। अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरेल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफ़ान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफ़ान के अगले दिन नुकसान की सफ़ाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरेल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, 'दूर से चीजें टूटने और कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए।

हजारों लोगों की मौजूदगी में नए पोप लियो-14 ने ली शपथ

वेटिकन। वेटिकन के सेंट पीटर स्क्वायर पर रविवार को नए पोप लियो-14 का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण में शामिल होने दुनिया भर से वैश्विक नेता और लीडर्स भी वेटिकन पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नए पोप लियो-14 के शपथ ग्रहण समारोह का कार्यक्रम भारतीय समयानुसार 1:30 बजे शुरू हुआ। नए पोप लियो के साथ ही अन्य कैथोलिक चर्च के नेता शपथ ग्रहण के पूर्व बेसिलिका के अंदर स्थित सेंट पीटर की कब्र पर पहुंचे और यहां पर प्रार्थना की गई। शपथ ग्रहण समारोह करीब 2 घंटे तक चला। शपथ ग्रहण के लिए नए पोप को एक धार्मिक वस्त्र और एक अंगूठी धारण कराई गई थी। जानकारी अनुसार धार्मिक वस्त्र नए पोप के पदभार ग्रहण करने का सूचक है, जबकि कैथोलिक प्रथा और परंपरा के मुताबिक अंगूठी इस बात का संकेत है कि पोप कैथोलिक चर्च के प्रमुख और सेंट पीटर के उत्तराधिकारी हैं, जो पेशे से मछुआरे थे। यह अंगूठी ही अब पोप लियो-14 की मोहर होगी। शपथ ग्रहण के बाद पोल लियो ने हाथ हिलाकर सभी लोगों को अभिवादन किया। प्रार्थना सभा संपन्न होने के बाद पोप लियो ने धार्मिक वाइन ग्रहण की और यूखरिस्त के दौरान दी जाने वाली रोटी को उन्होंने अपने हाथों में लिया। यह वही रोटी है, जो यीशु के बलिदान को दर्शाती है। इसके साथ ही नए पोप ने लोगों को आशीर्वाद भी दिया।

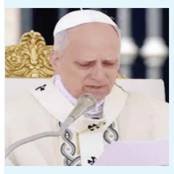

ऑपरेशन सिंदूर : सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश दौरे पर

एजेंसी। नई दिल्ली

रूडी मिस्र, क़तर, इथियोपिया व दक्षिण अफ्रीका का करेंगे दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने आतंकवाद के विरुद्ध ऑपरेशन सिंदूर के तहत एक निर्णायक वैश्विक अभियान की शुरुआत की है। इस पहल के तहत भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विश्व के विभिन्न प्रमुख साझेदार देशों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों की यात्रा पर भेजे जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न दलों के संसद सदस्य, प्रमुख राजनीतिक हस्तियां और प्रतिष्ठित राजनयिक को शामिल किया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सारण से सांसद राजीव प्रताप रूडी इस ऐतिहासिक पहल में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। वे सातवें प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में मिस्त्र, क़तर, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर जा रहे हैं। यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के विरुद्ध भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को वैश्विक समुदाय के समक्ष रखेगा। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व एनसीपी शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले करेंगी। रूडी के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हैं जिसमें आप सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, टीडीपी सांसद लवु श्री कृष्ण देवतरायालु, कांग्रेस सांसद आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन और सैयद अकबरुद्दीन है।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर का नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी का आधिकारिक दौरा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी का आधिकारिक दौरा करेंगे। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद डॉ. जयशंकर का यह पहला विदेश दौरा है। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान गई थी। यह यात्रा भारत के कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की हाल में इन देशों की स्थगित यात्रा के बाद हो रही है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को रद्द किया गया था। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर तीनों देशों के नेताओं से मिलेंगे। बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। डॉ. जयशंकर की यह यात्रा भारत और यूरोप के बीच संबंधों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। इस दौरे के दौरान, व्यापार, निवेश और पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी के साथ भारत के संबंध हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने से दोनों पक्षों को लाभ होगा।

भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी के सामने दुश्मन संघर्षविराम करने को मजबूर हुआ

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सशस्त्र बलों की पहुंच से बाहर हो। सिन्हा ने यह टिप्पणी एलओसी पर तैनात सैन्य कर्मियों को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी देखी है और फिर दुश्मन संघर्षविराम के लिए पूरी दुनिया के सामने गिड़िगड़ाया है। पाकिस्तान में ऐसा कुछ भी नहीं है जो भारतीय सेना की पहुंच से बाहर हो। एलजी सिन्हा ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला और कहा कि दुश्मन कर्ज के दम पर मानवता को नष्ट कर रहा है। मुझे लगता है कि हमारे वीर सैनिकों द्वारा दिए गए जवाब से उन्हें सबक मिल गया होगा। मैं आपकी वीरता, पराक्रम और मां भारती के प्रति आपकी भक्ति को नमन करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि जब भी ऐसा संकट आए, तो लोगों को पता चले कि हमारा देश आप जैसे वीरों के सुरक्षित हाथों में है। एलजी ने सेना और पुलिस कर्मियों के साथ जमीनी स्तर पर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री राणे को दिया झटका, 30 एकड़ वनभूमि वापस देने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के कार्यकाल में किए गए एक विवादित भूमि सौदे को अवैध करार दे दिया है। यह फैसला देश की न्यायपालिका की दृढ़ता और संविधान की सर्वोच्चता को दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने सीजेआई पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र की 30 एकड़ वनभूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का निर्देश दिया है। यह जमीन 1998 में, जब नारायण राणे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री थे, बिल्डरों को दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस डील को "अवैध और जनहित के खिलाफ" बताया है। कोर्ट ने न केवल इस सौदे को रद्द किया, बल्कि नेता, बिल्डर और अफसरों की गठजोड़ की ओर भी इशारा किया, जिसे 'जनता के विश्वास के साथ विश्वासघात' कहा गया। जस्टिस गवई ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के ऐसे मामले पूरे देश में फैले हैं और सभी राज्यों को इस तरह की डील्स की जांच करनी चाहिए। कोर्ट ने आदेश में कहा कि ऐसी डील्स सिर्फ विकास के नाम पर सरकारी संपत्तियों की लूट है, जिनका मकसद कुछ खास निजी हितों को फायदा पहुंचाना होता है। इस फैसले से बीजेपी की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति भी कटघरे में आ गई। नारायण राणे फिलहाल केंद्र सरकार में मंत्री हैं, जबकि उनके बेटे नितेश राणे महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं।

पाक चौकियों पर भारतीय सेना का करारा जवाब

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी, सेना बोली- गोली चलाने वालों को मिट्टी में मिला दिया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय सेना ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी करते हुए स्पष्ट किया कि 10 मई को पाकिस्तान की जिन चौकियों से सीजफायर का उल्लंघन कर भारत की ओर गोलियां चलाई गई थीं, उन्हें जवाबी कार्रवाई में ध्वस्त कर दिया गया है। सेना ने कहा कि हमारी कार्रवाई स्पष्ट और निर्णायक थी — जहां से गोली चली, वहां तबाही छोड़ी। सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच आज डीजीएमओ स्तर की कोई बातचीत प्रस्तावित नहीं है। हालांकि, 12 मई को हुई बैठक में सीजफायर पर बनी सहमति को लेकर सेना ने कहा है कि इस समझौते की कोई निर्धारित समयसीमा नहीं है और यह आगे भी लागू रहेगा।

विदेश मंत्री के बयान पर राजनीतिक विवाद : इस बीच, विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर भी सेना और विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि भारत आतंक के ठिकानों पर कार्रवाई करेगा, लेकिन पाकिस्तान ने संवाद से इनकार किया और प्रतिकार की धमकी दी। वहीं, विदेश मंत्रालय ने भी राहुल गांधी के बयान को "भ्रामक" बताया और कहा कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने ऑपरेशन के बाद की स्थिति पर बयान दिया था, न कि पहले की, जैसा कि दावा किया गया है। इस प्रकार सेना ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सीमा पर हर हरकत का मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है, और किसी भी राजनीतिक भ्रम को दूर करने के लिए तथ्यों को सामने लाया जाएगा।

दैनिक संध्या न्यूज़पेपर

(आवश्यकता)

संथाल संध्या

सभी जिले में ब्यूरो चीफ की आवश्यकता

पाकुड़, साहिबगंज ,देवघर, जामताड़ा, धनबाद, गोड्डा, कोडरमा, रामगढ़, गिरिडीह

इच्छुक व्यक्ति नीचे दिए गए संपर्क नंबर पर संपर्क करें

9800993294 , 9334344989

डिजिटल संध्या हिन्दी दैनिक
संथाल संध्या

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांव नेमरा में दिवंगत जगदीश सोरेन को दी श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को सपरिवार रामगढ़ जिला स्थित अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे। मुख्यमंत्री वहां अपने पारिवारिक सदस्य जगदीश सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री अंतिम यात्रा एवं अन्त्येष्टि संस्कार में भी सम्मिलित हुए। उल्लेखनीय है कि दिवंगत जगदीश सोरेन रिश्ते में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के चाचा लगते थे। वे राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चचेरे भाई थे। विगत 17 मई 2025 को उनका निधन हो गया था। वे अपने पीछे दो पुत्र, एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

बादल छाने से गर्मी से राहत, बारिश की संभावना

रांची। रांची और आसपास के इलाकों में धूप के साथ बादल छाने की वजह से लोगों को भारी गर्मी से राहत मिली। रविवार को रांची में धूप के साथ बादल भी छाए रहे। इस वजह से गर्मी का विशेष अनुभव नहीं हुआ। हालांकि बीच-बीच में धूप निकलने से गर्मी महसूस हुई। उल्लेखनीय है कि शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में बारिश हुई। इससे तापमान में कमी दर्ज की गई।

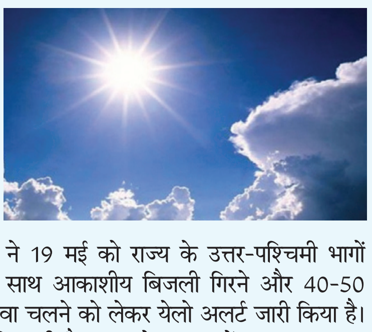

मौसम विभाग ने 19 मई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 40-50 किमी की गति से तेज हवा चलने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। यह अलर्ट 20 मई के लिए भी है। राज्य के पलामू में तापमान बढ़कर 43 डिग्री को पार कर गया है। वहीं गढवा, गुमला, गोड्डा और छत्र जिले में तापमान 40 या 40 डिग्री कप पर कर गया है। रविवार को रांची में अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री, जमशेदपुर में 38, डालटेनगंज में 43.8, बोकारो में 34.1 और चाईबासा में तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

रक्षा राज्य मंत्री ने उपराष्ट्रपति से की मुलाकात, जन्मदिन की दी शुभकामनाएं

रांची। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 74वें जन्मदिन पर देशभर से शुभकामनाएं मिल रही हैं। देश के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ने भी अपनी पत्नी के साथ रविवार को उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान सेठ दंपत्ति ने धनखड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। जगदीप धनखड़ का जन्म 18 मई, 1951 को राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में हुआ था। उन्होंने 11 अगस्त, 2022 को भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। वह रविवार को 74 वर्ष के हो गए। उपराष्ट्रपति होने के नाते वह राज्यसभा के सभापति भी हैं।

जेल अदालत में छह मामलों का निपटारा

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय स्थित मंडल कारा परिसर में रविवार को एक विशेष जेल अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें छह मामलों का निष्पादन किया गया। यह आयोजन झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चाईबासा की ओर से किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जेल अदालत की अध्यक्षता न्यायिक दंडाधिकारी मंजीत कुमार साहू ने की। इस दौरान लंबित छह मामलों का त्वरित समाधान किया गया, जिससे संबंधित कैदियों को राहत मिली। इस अवसर पर जेल परिसर में बंदियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बंदियों की नियमित जांच की और आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। कैदियों की सेहत को लेकर यह पहल सराहनीय मानी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान मंडल कारा के जेल अधीक्षक सुनील कुमार, संबंधित न्यायालयों के कर्मचारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार की टीम उपस्थित रही।

राधा- कृष्ण मंदिर में 1500 श्रद्धालुओं ने पाया प्रसाद

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में रविवार को 207 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा महाप्रसाद निर्मला गाड़ोदिया, डॉ रमण कुमार, डॉ अनुज के परिवार के सौजन्य से किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे ने लगाई। इसके बाद मंदिर परिसर में उपस्थित लगभग 1500 श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।महाप्रसाद में केसर युक्त खीर, पुड़ी, पलाव, आलु चना का सब्जी,आलू चिप्स का वितरण किया गया। बाद में भजन संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी और सज्जन पाड़िया ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। मौके पर एक छोटी बच्ची ने भी मधुर भजन भजन प्रस्तुत की जिसपर भक्त भाव विभोर हो गए। श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय बन गया। इसके बाद सामूहिक रूप से महाआरती की गई। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, संजय सर्राफ सहित अन्य मौजूद थे।

बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है किशोर न्याय अधिनियम : अन्नपूर्णा देवी

♦ **किशोर न्याय अधिनियम पर राष्ट्रीय परामर्श बैठक का आयोजन**

संथाल संध्या

रांची। रांची के न्यायिक अकादमी में रविवार को किशोर न्याय अधिनियम और इससे संबंधित कानूनों पर एक दिवसीय विशेष परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की। इस बैठक का उद्देश्य किशोर न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और न्यायपूर्ण बनाने के लिए हितधारकों के बीच संवाद स्थापित करना था। मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस अवसर पर कहा कि जब हम हर बच्चे को न्याय, संरक्षण और सम्मान देते हैं, तभी एक संवेदनशील और सशक्त समाज की नींव रखी जाती है। किशोर न्याय अधिनियम इसी दिशा में एक सशक्त कदम है, जो न केवल बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें पुनर्वास एवं पुनर्संवर्धन के माध्यम से गरिमामयी जीवन की ओर अग्रसर करता है। कार्यक्रम में बाल न्यायालयों के न्यायाधीशों, प्रधान मजिस्ट्रेटों, किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) और चाइल्ड वेलफेयर कमिटी कल्याण (सीडब्लूसी) के सदस्यों, विशेष किशोर पुलिस इकाई (एसजेपीयू) के अधिकारी, जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) के पदाधिकारी सहित अनेक महत्वपूर्ण हितधारकों की उपस्थिति रही।

विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति अनुभा रावत चौधरी, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय उपस्थित रहीं। उन्होंने किशोर न्याय प्रणाली की संवेदनशीलता और उसमें सुधार की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में न्यायिक अकादमी के निदेशक राजेश शरण सिंह, संयुक्त निदेशक डॉ. संध्या मित्रा बारिक ने भी बाल संरक्षण प्रणाली को सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए। बैठक में उपस्थित सभी विशेषज्ञों और अधिकारियों ने किशोर न्याय प्रणाली की चुनौतियों, सुधारों और भविष्य की दिशा पर उपयोगी संवाद किया। यह परामर्श बैठक बाल अधिकारों की रक्षा और न्यायिक प्रणाली के उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। उल्लेखनीय है कि हमारे देश में किशोर न्याय अधिनियम बच्चों के संरक्षण और देखभाल के लिए एक महत्वपूर्ण कानून है। यह अधिनियम उन बच्चों के लिए बनाया गया है जो या तो कानून का उल्लंघन करने वाले हैं या जिन्हें देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता है।

हेमंत सरकार ने 'मंईयां सम्मान योजना' को बना दिया 'महिला अपमान योजना' : सुदेश

संथाल संध्या

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार ने 'मंईयां सम्मान योजना' को 'महिला अपमान योजना' बना दिया है। विधानसभा चुनाव के वक्त वोट बटोरने के लिए 56.61 लाख महिलाओं को 'मंईयां सम्मान योजना' के तहत ढाई हजार रुपया दे दिया गया था, लेकिन अब दस्तावेज और नियमों का हवाला देकर पांच लाख महिलाओं का नाम काटा जा रहा है। इससे मातृशक्ति अपमानित महसूस कर रही है। इन महिलाओं के साथ अन्याय क्यों किया जा रहा है ?

सुदेश महतो रविवार को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की उत्तर छोटानागपुर प्रमंडलीय बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि हेमंत सरकार की बेईमानी का पर्दाफाश जमीनी स्तर पर करें। ग्राम स्तर पर मातृ शक्ति को पार्टी से जोड़ने और जागरुक करने के लिए अभियान चलाने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में आजसू की अहम भूमिका रही है। पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत महिला भागीदारी तथा स्वयं सहायता समूह के गठन के लिए आजसू ने सरकार में रहकर क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया। बैठक को विधायक निर्मल महतो, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, प्रवीण प्रभाकर, संतोष महतो, विजय साहू, बोकारो जिला पंचायत (जिप) उपाध्यक्ष बबीता कुमारी, जिप सदस्य खुशबू कुमारी, यशोदा देवी, संगीता बारला सहित अन्य ने संबोधित किया।

जुए में हारे लोगों ने बनाया चोर गिरोह, छह गिरफ्तार

संथाल संध्या

रामगढ़। रामगढ़, हजारीबाग और रांची जिले के बंद घरों से लाखों की संपत्ति उड़ने वाले चोर की रोग का पर्दाफाश हुआ है। रामगढ़ पुलिस ने चोर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार कर कई कांडों का उद्भेदन कर दिया। रविवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि चोर गिरोह के आतंक को खत्म करने के लिए पुलिस कई महीनों से लगी हुई थी। छह सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद आम जनता को राहत मिलेगी। एसपी ने बताया कि रामगढ़ जिले में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के उद्भेदन के लिए एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी ने यह स्पष्ट किया कि ऑनलाइन जुए में हारे हुए लोगों ने चोर गिरोह बनाकर आतंक फैला रखा था। शातिर चोर गिरोह लगातार उन घरों को निशाना बना रहे थे जो बंद थे। इसी दौरान बरकाकाना ओपी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर गिरोह और चोरी में प्रयुक्त होने वाला बाइक कैद हो गया। मोटरसाइकिल (जेएच 24 जे 0823) का सत्यापन किया गया तो वह कुजू ओपी क्षेत्र के सुंदरियाबांध निवासी राजेश प्रसाद केसरी के पुत्र प्रिंस कुमार केसरी के नाम पर निकला।

प्रिंस से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि वह बाइक उसका बड़ा भाई संदीप कुमार केसरी इस्तेमाल करता है। इस सूचना के बाद पुलिस को पहली लीड मिली और संदीप कुमार केसरी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जब संदीप केसरी से पूछताछ शुरू की तो वह बहुत जल्द ही टूट गया। उसने सीसीटीवी में कैद वीडियो और फोटो को देखकर अपने गिरोह के अन्य सदस्यों का पर्दाफाश कर दिया। उसकी निशानदेही पर पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। संदीप केसरी के अलावा गिरफ्तार लोगों में सुंदरिया बांध कुजू निवासी जागेश्वर कुमार , अनुज कुमार , कुजू मुरपा बस्ती निवासी राजीव कुमार , करमा अंसारी टोला निवासी कमर रज़ा , शिवपुरी कॉलोनी चटनियां बस्ती निवासी सौरभ शर्मा शामिल हैं।

संदीप केसरी ने पुलिस को बताया कि 5 मई को बरकाकाना ओपी क्षेत्र में वह अपने सहयोगियों के साथ चोरी करने गया था। उसने पुलिस को बताया कि हम लोग एक गिरोह के रूप में चोरी की घटना को अंजाम देते है। चोरी के सामानों को आपस में बांट लेते है। गिरोह का सरगना रांची में रहता है। गिरोह के द्वारा योजना बनाकर रांची, हजारीबाग एवं रामगढ़ जिले के विभिन्न बंद पड़े घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार चोरों के पास से पुलिस ने चोरी का सोने का लोकेट, चांदी का सिक्का, जूता और चोरी में प्रयोग करने वाला औजार बरामद किया गया है। इसके अलावा छह मोबाइल फोन, एक जोड़ा जूता, एक ईयर बड, चोरी में प्रयुक्त होने वाला पेचकस, लोहे का सब्बल आदि भी जप्त किया गया है।

एसपी अजय कुमार ने बताया कि चोर गिरोह का सरगना रांची में रहता है। उसके साथ रामगढ़ जिले के भी कई लोग संपर्क में थे। यह सभी ऑनलाइन गेम में पैसा लगाते थे। जुए में इन लोगों को चूना लगा, तो वे लोग कर्ज में डूब गए। सभी लोगों ने मिलकर चोर गिरोह बनाया। मुख्य सरगना रांची में रहता है और एक्सयूवी 500 पर सवार होकर घूमता है। एसपी ने यह भी बताया कि गिरोह के सदस्यों के द्वारा उन घरों की रेकी की जाती थी जो बंद होते थे। जैसे ही सरगना को इसकी जानकारी होती थी वह घटनास्थल पर आता था। यह गिरोह चोरी में इतना माहिर हो गया था, कि आधे घंटे में ही पूरा घर खाली कर निकल जाता था। रामगढ़, हजारीबाग और रांची में अब तक हुए दर्जनों चोरी की घटनाओं में इस गिरोह ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। मुख्य सरगना को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जारी है। छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, मांडू सर्किल इंस्पेक्टर सुरेश लिंडा, टेक्निकल सेल प्रभारी रजत कुमार, कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, वेस्ट बोकारो ओपी प्रभारी दीपक कुमार, मांडू थाना प्रभारी सदानंद कुमार आदि शामिल थे।

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन की मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से जारी

संथाल संध्या

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के चुनाव को लेकर वोटिंग प्रक्रिया रविवार को सुबह 8:30 बजे से शुरु हो गई है। जो शांतिपूर्ण ढंग से जारी हैं। सभी उम्मीदवारों ने मतदान कर अपनी-अपनी मौजूदगी दर्ज कराई हैं। इस क्रम में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और जेएससीए के सदस्य सौरभ तिवारी ने भी मतदान किया। बताया गया कि दोपहर दो बजे से वोटों की गिनती शुरु की जाएगी। वोटिंग के लिए कुल सात बूथ बनाए गए हैं। जेएससीए के लिए 718 वोटर मतदान करेंगे। 15 पदों के लिए मैदान में कुल 30 उम्मीदवार हैं।

निर्वाचन पदाधिकारी पूर्व निर्वाचन आयुक्त आईएएस एन एन पांडे ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। जेएससीए चुनाव से पहले अध्यक्ष पद के उम्मीदवार एसके बेहरा अपनी टीम के साथ स्टेडियम पहुंचे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने अपनी जीत को लेकर पूरा विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि जेएससीए के मतदाता समझदार है और उन्हें पता है कि सही उम्मीदवार कौन हैं। मौके पर पहुंचे सौरभ तिवारी ने कहा कि उनका मकसद झारखंड में क्रिकेट को एक नई दिशा देना हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता झारखंड क्रिकेट को आगे बढ़ाना हैं। हम चाहते हैं कि यहां के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और अवसर मिले। वहीं, अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि हमारी प्राथमिकता जेएससीए में पारदर्शिता लाना और राज्य में क्रिकेट और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देना है। साथ ही स्व अमिताभ चौधरी के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश होगी, ताकि खेल और खिलाड़ियों का विकास हो।

रक्षा राज्य मंत्री की पहल, रातू रोड में अब एलिवेटेड कॉरिडोर से गुजरेंगे एंबुलेंस

संथाल संध्या

रांची। रांची के सांसद और केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल पर रातू रोड से गुजरने वाले एंबुलेंस को बड़ी राहत मिलने वाली है। अब सभी एंबुलेंस नवनिर्मित एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर से गुजरेंगे, जिससे एंबुलेंस का समय बच सकेगा और अनावश्यक जाम में फंसने से राहत मिलेगी।

दरअसल, मंत्री संजय सेठ ने इस मसले को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से बात की और यह निर्देश दिया कि एलिवेटेड कॉरिडोर के ऊपर से गुजरने के लिए एंबुलेंस को छूट दी जाए। उनके निर्देश पर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने सहमति दे दी है। इस सहमति के साथ ही पलामू, गढ़वा, लातेहार, चतरा, गुमला, लोहरदगा जैसे क्षेत्रों से आने-जाने वाले एंबुलेंस को राहत मिलेगी। यहां अनावश्यक जाम में फंसने से एंबुलेंस बच सकेंगे और समय पर अस्पताल पहुंच सकेंगे।

रक्षा राज्य मंत्री ने रविवार को बताया कि सर्विस रोड निर्माण कार्य के कारण जाम में एंबुलेंस भी फंस रहे थे, जिससे कई बार मरीजों की जान पर बन आती थी। इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया गया और अधिकारियों ने इसकी त्वरित स्वीकृति प्रदान कर दी है। रक्षा राज्य मंत्री के इस पहल की सर्वत्र सराहना हो रही है। उल्लेखनीय है कि रातू रोड में एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। वर्तमान समय में नीचे सर्विस रोड का काम चल रहा है। इस वजह से कई बार जाम लगता है और इस जाम में एंबुलेंस भी फंस जाते हैं। जाम में एंबुलेंस के फंसे होने के कारण पूरी ट्रैफिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाती है। मरीजों के लिए भी गंभीर समस्या खड़ी हो जाती है।

करोड़ों की लागत से बने मोराबादी स्टेज को ध्वस्त करने का कारण बताए हेमंत सरकार: प्रतुल

♦ **भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने प्रदेश की हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल खड़े किये**

संथाल संध्या

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने प्रदेश की हेमंत सोरेन सरकार पर सवाल खड़े किये हैं। रविवार को उन्होंने सवाल किया कि आखिर हेमंत सरकार ने करोड़ों रुपये की लागत से ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में बने स्टेज को ध्वस्त करने का निर्णय क्यों लिया। वो भी तब, जबकि इस स्टेज का उपयोग न सिर्फ 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस और 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस के अवसर पर किया जाता था, बल्कि यह अनेक ऐतिहासिक घटनाओं और रैलियां का साक्षी भी रहा है। खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसी स्टेज से दो बार शपथ भी लिया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस स्टेज से स्थानीय कलाकार भी अपनी प्रस्तुति दिया करते थे। इस बहुउद्देशीय स्टेज को ध्वस्त करने के पीछे हेमंत सरकार की ओर से कोई ठोस कारण नहीं बताना यह स्पष्ट करता है कि यह पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के जरिये बनाई गई धरोहरों को मिटाने में लगी है। हेमंत सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर इस स्टेज को ध्वस्त करने के पीछे किन संगठनों ने मांग उठाई थी। जब इस स्टेज का इतने अच्छे से उपयोग हो रहा था, तो फिर ध्वस्त करने के पीछे का कारण क्या है ?

प्रवक्ता प्रतुल ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार साढ़े पांच वर्षों से लगातार सत्ता में थी। उस समय तक स्टेज से कोई परेशानी नहीं थी। फिर अचानक एक दिन इस पूरे स्टेज को ध्वस्त करने का कार्य कैसे प्रारंभ हुआ। क्या यह ध्वस्त करने की चल रही प्रक्रिया एक सोची समझी साजिश का हिस्सा है? उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार के अलग-अलग विभाग फंड की कमी का रोना रोते हैं। मंईयां सम्मान योजना की राशि का भुगतान करने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग , पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जैसे जनता से जुड़े विभागों की राशि को डाइवर्ट कर दिया जाता है। हर दूसरे दिन सरकार का कोई ना कोई मंत्री फंड की कमी का रोना रोता है। दूसरी तरफ बहुउद्देशीय प्रयोग में लाने की सोच से बनी चीजों को सरकार आकरण ध्वस्त करती है। यह तो अबुआ सरकार न होकर बिना ठोस कारण के स्मारकों का विध्वंस करने वाली सरकार बन गई है।

संक्षिप्त समाचार

दुमका में पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या की

दुमका :– जिले के जामा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की गला दबाकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने महज 48 घंटे में उद्भेदन कर हत्यारोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। एसडीपीओ जरमुंडी के नेतृत्व में जामा पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक छापामारी दल का गठन किया और हत्यारोपी पत्नी रासमुनी हेम्ब्रम और उसके प्रेमी राजीव मुर्मू को गिरफ्तार कर लिया। दोनों ने अपराध स्वीकार करते हुए गला दबाकर हत्या करने की बात कबूल की। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक महोदय दुमका के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जरमुंडी ने छापामारी दल का गठन किया था। गिरफ्तार आरोपियों में राजीव मुर्मू उम्र 27 वर्ष पिता सुजन मुर्मू ग्राम फाड़ासिमल, थाना जामा, जिला दुमका और रासमुनी हेम्ब्रम उम्र 35 वर्ष पति स्वर्गीय रविन्द्र मुर्मू ग्राम धनाडीह, थाना जामा, जिला दुमका शामिल हैं।

कमलैन बगीचा में बाउल गान का आयोजन

साहिबगंज/राजमहल:– प्रखंड के कमलैन बगीचा (कन्हैयास्थान) गांव में शनिवार की रात हरिनाम संकीर्तन समिति की ओर से बाउल गान का आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल के मालदा से आए अष्टम घोष एंड ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आसपास के हजारों लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और अष्टम घोष के भक्ति और बाउल गानों का आनंद लिया। रात भर चले इस कार्यक्रम में एक के बाद एक भक्ति गीत और आलोचना का कार्यक्रम हुआ, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में अध्यक्ष कालीचरण मंडल, सचिव राजनंदन मंडल, कोषाध्यक्ष राजेश मंडल और अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। सभी ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति हेतु समीक्षात्मक बैठक संपन्न

बासु कुमार की रिपोर्ट

गोड्डा :–समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति हेतु समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति हेतु प्रकाशित विज्ञापन के नियमावली के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत प्रकाशित विज्ञापन के आलोक में विभागीय पत्राचार करने, होल्ड पर रखे गए आवेदनों की जांच करने तथा सभी वांछित दस्तावेजों की जांच करने के निर्देश दिए गए। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मौके पर अपर समाहर्ता प्रेमलता मुर्मू, जिला योजना पदाधिकारी फैजान सरवर सहित कार्यालय कर्मीगण मौजूद थे। इस बैठक से चौकीदार पद पर सीधी नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने नियुक्ति प्रक्रिया को गति देने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इससे चौकीदार पद पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति हो सकेगी और विभागीय कार्यों में सुधार होगा। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का ध्यान रखने का निर्देश दिया। इससे नियुक्ति प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं होगी और योग्य उम्मीदवारों को ही नियुक्ति मिलेगी। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त ने नियुक्ति प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया। इससे विभागीय कार्यों में सुधार होगा और चौकीदार पद पर योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति हो सकेगी।

महागामा में नगर पंचायत चुनाव की मांग जोर पकड़ रही है

गोडडु/महागामा:– नगर पंचायत चुनाव को लेकर मांग जोर पकड़ रही है। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के भावी प्रत्याशी प्रतिनिधि सह समाजसेवी पप्पू जायसवाल ने राज्य सरकार एवं राज्य निर्वाचन आयोग से आग्रह किया है कि महागामा में नगर पंचायत चुनाव शीघ्र कराए जाएं, जिससे क्षेत्र के विकास को दिशा मिल सके। पप्पू जायसवाल ने कहा कि महागामा में नगर पंचायत के गठन की प्रक्रिया काफी पहले पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी तक चुनाव की तिथि घोषित नहीं की गई है। इसके चलते न तो कोई निर्वाचित जनप्रतिनिधि है और न ही स्थानीय समस्याओं का उचित समाधान हो पा रहा है। इससे क्षेत्र के विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरीकरण और जनसंख्या वृद्धि को देखते हुए नगर पंचायत चुनाव आवश्यक हो गए हैं। चुनाव के माध्यम से महागामा में सफाई, जलापूर्ति, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा। इससे क्षेत्र के लोगों को अपने दैनिक जीवन में सुधार दिखाई देगा। पप्पू जायसवाल ने सरकार और चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत नगर पंचायत चुनाव की प्रक्रिया में हो रही देरी को समाप्त किया जाए और शीघ्र चुनाव की तिथि घोषित की जाए, ताकि महागामा को एक संगठित और विकसित नगर पंचायत के रूप में आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनता लंबे समय से नगर निकाय के गठन और संचालन की प्रतीक्षा कर रही है। प्रशासनिक व्यवस्था के अभाव में विकास कार्य बाधित हैं और आमजन को विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। चुनाव के बाद गठित होने वाली नगर पंचायत क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पप्पू जायसवाल ने कहा कि नगर पंचायत चुनाव से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। इससे क्षेत्र के लोगों को अपने क्षेत्र के विकास में भाग लेने का अवसर मिलेगा और वे अपने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

खाद्यान्न वितरण को लेकर अधिकारियों ने दिए सख्त निर्देश

संथाल संध्या

गोड्डा :– जिले के महगामा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुचारु संचालन को लेकर आपूर्ति विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्यान्न वितरण को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। ून महीने में तीन माह का खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। इसके तहत जून और जुलाई का वितरण 1 जून से 15 जून तक, जबकि अगस्त का वितरण 16 जून से 30 जून तक किया जाएगा। इससे लाभुकों को समय पर खाद्यान्न मिल सकेगा और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। सभी सहायक गोदाम प्रबंधकों को निर्देश दिया गया है कि वे जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए गोदामों पर पर्याप्त मात्रा में वाहन और मजदूर की व्यवस्था भी की जाएगी। इससे खाद्यान्न वितरण में किसी प्रकार की देरी नहीं होगी और लाभुकों को समय पर खाद्यान्न मिल सकेगा।

डीलरों को निर्देश दिया गया है कि खाद्यान्न उठाव के बाद उसी दिन ई-पॉश मशीन पर रिसीविंग दर्ज करना अनिवार्य होगा। बैठक में यह भी बताया गया कि कई डीलर खाद्यान्न उठाव के बाद भी वितरण शुरू नहीं करते, जो गंभीर मामला है। ऐसे में डीलरों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे खाद्यान्न उठाव के बाद तुरंत वितरण शुरू करें। हाल ही में मेहरमा प्रखंड में ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें कड़ी कार्रवाई की जा रही है। राज्य मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, सभी दिन PDS दुकानें खुली रहेंगी।

डीलर बिना पूर्व सूचना के अवकाश पर नहीं जा सकेंगे। लगातार दुकान बंद पाए जाने पर लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। इससे डीलरों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास होगा और वे नियमित रूप से दुकान खोलेंगे। सभी दुकानों पर सूचना पट्ट और खाद्यान्न उपलब्धता विवरणी का प्रदर्शन अनिवार्य किया गया है। साथ ही, सभी प्रकार के पंजियों का विधिवत संधारण भी सुनिश्चित करना होगा। इससे लाभुकों को अपने खाद्यान्न की जानकारी मिल सकेगी और वे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। अगले एक महीने में राज्य एवं जिला स्तरीय टीमें अधिकतर दुकानों का निरीक्षण करेंगी। जिले के वरीय अधिकारी भी प्रखंड स्तर पर दुकानों का दौरा करेंगे। प्रत्येक प्रखंड में आपूर्ति पदाधिकारी सप्ताह में कम से कम चार दुकानों का निरीक्षण कर विस्तृत जांच रिपोर्ट जिला कार्यालय को सौंपेंगे। इससे दुकानों में पारदर्शिता और नियमितता बनी रहेगी और लाभुकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

लाखों रुपए की ठगी करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

संथाल संध्या

गोड्डा :–पुलिस ने महागामा मानव सेवा बैंक के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले मुख्य आरोपी नमित कुमार जायसवाल को रांची से गिरफ्तार किया है। नमित पर आरोप है कि उसने महागामा में 'मानव सेवा बैंक' नामक फर्जी संस्था खोली और अधिक ब्याज देने का झांसा देकर लोगों से जमा लिये गये लाखों रुपये लेकर फरार हो गया था। नमित के खिलाफ महागामा थाना में सात और गोड्डा नगर थाना में एक मामला दर्ज है। गोड्डा एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने टेक्निकल सेल की मदद से नमित को पकड़ा। एसडीपीओ चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि नमित लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा, जिससे पुलिस को चकमा देता रहा। टीम ने उसे रांची से गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई और व्यक्ति भी ठगी का शिकार हुआ है, तो वह महागामा थाना में आकर शिकायत दर्ज कराएं।

झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन गोड्डा जिला इकाई की बैठक संपन्न

संथाल संध्या

गोड्डा: अग्रसेन भवन में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन जिला इकाई गोड्डा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में होमगार्ड जवानों ने जिला समादेष्टा कार्यालय के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि होमगार्ड जवानों का कर्तव्य वितरण रोस्टर के अनुसार नहीं किया जाता है और मनमाने तरीके से अवैध राशि लेकर ड्यूटी दी जाती है। बैठक में होमगार्ड जवानों ने अपनी समस्याओं को रखा और आरोप लगाया कि जिला कार्यालय में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। उन्होंने कहा कि जिला समादेष्टा को सूचना देने के बावजूद होमगार्ड जवानों के ड्यूटी वितरण में हो रही अनियमितता पर लगाम नहीं लगाया जा रहा है। झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव ने कहा कि यदि होमगार्ड जवानों की समस्या का समाधान नहीं होता है तो 15 जून से 22 जून तक होमगार्ड के जवान अपनी मांगों के समर्थन में काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करेंगे। इसके बावजूद भी अगर समस्या का समाधान नहीं होता है तो 30 जून को एक दिवसीय धरना गोड्डा के शहीद स्तंभ पर किया जाएगा। बैठक में पुराने समिति को भंग कर प्रदेश संरक्षक मनोज कुशवाहा के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से 11 सदस्यों को समिति में शामिल कर समिति का पुनर्गठन किया गया। इस दौरान बैठक में जिले के सैकड़ों होमगार्ड जवान शामिल हुए।

दुमका में सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक आयोजित

संथाल संध्या

दुमका:– उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और सुरक्षा उपायों पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नियमित वाहनों की जांच की जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने हिट एंड रन मामलों पर त्वरित कार्रवाई करने और दो पहिया एवं चार पहिया वाहन जांच अभियान चलाकर नियमानुसार जुर्माना करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जांच में हेलमेट ना पहनने, शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की भी जांच की जाए और कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मनोज कुमार घोष, रमन कुमार वर्मा, मुस्ताक अली, नीलकंठ झा और जिला सड़क सुरक्षा कार्यालय के कर्मी दीपक कुमार, मनोज कुमार और अमित कुमार उपस्थित थे।

जिला भू-अर्जन की बैठक संपन्न

संथाल संध्या

गोड्डा:– समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में भू-अर्जन से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान सड़क निर्माण विभाग द्वारा जिले में संचालित सभी योजनाओं की क्रमवार समीक्षा की गई।

समीक्षा के उपरांत हंसडीहा से महागामा एनएच-133 परियोजना से संबद्ध रोड निर्माण कार्य पूर्ण करने, सभी हितबद्ध रैयतों को मुआबजा भुगतान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने, सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन करने तथा एन एच-133 एवं रेलवे लाइन के निर्माण हेतु संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर त्वरित गति से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मौके पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रितेश जयसवाल सहित भू-अर्जन कार्यालय के कर्मीगण मौजूद थे। बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन से जिले में भू-अर्जन संबंधी कार्यों में तेजी आने की संभावना है और लंबित मामलों का निष्पादन समय पर हो सकेगा। बैठक में दिए गए निर्देशों के बाद जिले में सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इससे जिले के विकास को नई गति मिलेगी और लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल की समीक्षा बैठक संपन्न

संथाल संध्या

गोड्डा :–समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) तथा जल जीवन मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों की पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति का प्रतिवेदन लेकर बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में नल जल संयोजन का भौतिक सत्यापन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, सभी योजनाओं को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने, जल आपूर्ति योजनाओं पर सतत निगरानी रखने, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत निर्मित शौचालयों की नियमित जांच करने और जांच में पाए गए कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना एवं जल जीवन मिशन के अधीन पीवीटीजी ग्रामों में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। सुदूरवर्ती क्षेत्रों में अभियंताओं को स्थल निरीक्षण करने और जल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी और लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। मौके पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता संजय शर्मा, जिला समन्वयक जेजेएम शत्रुघ्न, जिला समन्वयक SBM संजीव रंजन, कनीय अभियंता आदित्य, रूपेश, चाँद हेम्ब्रम, मनोज पूर्वे, शनाउल्ला एवं इफ्तिकार सहित कार्यालय कर्मीगण मौजूद थे।

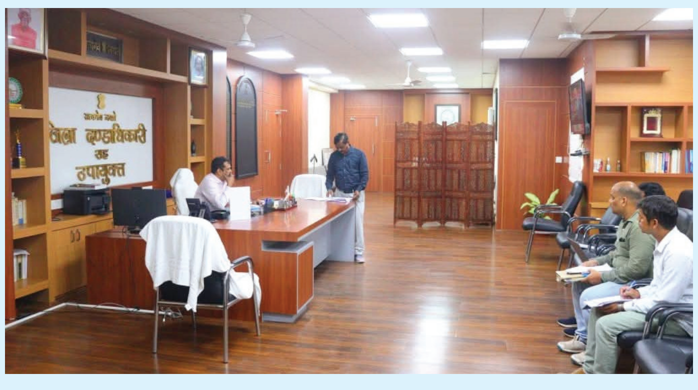

संपादकीय

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास। एैसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें। पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

गणि राजेन्द्र विजयः दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए 'गांधी'

ललित गर्ग

(गणि राजेन्द्र विजयजी के 51वें जन्म दिवसः 19 मई 2025)

प्राचीन समय से लेकर आधुनिक समय तक अनेकों संत-मनीषियों, धर्मगुरुओं, ऋषियों ने भी अपने मूल्यवान अवदानों से भारत की आध्यात्मिक परम्परा को समृद्ध किया है, इन महापुरुषों ने धर्म के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी स्वर बुलंद किए। ऐसे ही विलक्षण एवं अलौकिक संतों में एक नाम है गणि राजेन्द्र विजयजी। वे आदिवासी जनजाति के होकर भी जैन संत हैं, और जैन संत होकर भी आदिवासी जनजीवन के मसीहा संतपुरुष हैं। वे आदिवासी जनजीवन का एक उजाला है, जो पिछले पांच दशक से गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में उनके उन्नयन एवं उत्थान के लिये संघर्षरत हैं। 19 मई 2025 को गणिजी अपने जीवन के 51वें बसंत में प्रवेश कर रहे हैं। डॉ. गणि राजेन्द्र विजय एक ऐसा व्यक्तित्व है जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक उत्थान के प्रयत्न में तपकर और अधिक निखरा है। वे आदिवासी जनजीवन में शिक्षा की योजनाओं को लेकर विशेष जागरूक हैं, इसके लिये सर्वसुविधयुक्त एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालय का निर्माण उनके प्रयत्नों से हुआ है, वहीं कन्या शिक्षा के लिये वे ब्राह्मी सुन्दरी कन्या छात्रावास का कुशलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। इसी आदिवासी अंचल में जहां जीवदया की दृष्टि से गौशाला का संचालित है तो चिकित्सा और सेवा के लिये चलयमान चिकित्सालय भी अपनी उल्लेखनीय सेवाएं दे रहा है। आदिवासी किसानों को समृद्ध बनाने एवं उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिये उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में सुखी परिवार ग्रामोद्योग को स्थापित किया है। इनदिनों वे आदिवासी क्षेत्र में मेडिकल विश्वविद्यालय बनाने की योजना पर कार्यरत है। वे अखिल भारतीय सनातन संत समाज के संगठन में आदिवासी क्षेत्र के संतत्व का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वे आदिवासी अधिकारों के लिये व्यापक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें संगठित कर रहे हैं, उनका आत्म-सम्मान जगा रहे हैं। गणि राजेन्द्र विजयजी द्वारा संचालित प्रोजेक्ट एवं सेवा कार्यों की मोटी सूची में मानवीय संवेदना की सौंधी-सौंधी महक फूट रही है। लोग गांवों से शहरों की ओर पलायन रहे हैं, लेकिन गणि राजेन्द्र विजयजी की प्रेरणा से कुछ जीवट वाले व्यक्तित्व शहरों से गांवों की ओर जा रहे हैं। मूल को पकड़ रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- 'भारत की आत्मा गांवों में बसती है।' शहरीकरण के इस युग में इन्सान भूल गया है कि वह मूलतः आया कहां से है? जिस दिन उसे पता चलता है कि वह कहां से आया है तो वह लक्ष्मी मित्तल बनकर भी लंदन से आकर, करोड़ों की गाड़ी में बैठकर अपने गाँव की कच्ची गलियों में शांति महसूस करता है। स्कूल, हॉस्पीटल व रोजगार के केन्द्र स्थापित कर सुख का अनुभव करता है। गणि राजेन्द्र विजयजी टेढ़े-मेढ़े, उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरते हुए, संकरी-पतली पगडंडियों पर चलकर सेवा भावना से भावित जब उन गरीब आदिवासी बस्तियों तक पहुंचते हैं तब उन्हें पता चलता है कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीने के मायने क्या-क्या हैं? कहीं भूख मिटाने के लिए दो जून की रोटी जुटाना सपना है, तो कहीं सर्दी,

गर्मी और बरसात में सिर छुपाने के लिए झौपड़ी की जगह केवल नीली छतरी (आकाश) का घर उनका अपना है। कहीं दो औरतों के बीच बंटी हुई एक ही साड़ी से बारी-बारी तन ढ़क कर औरत अपनी लाज बचाती है तो कहीं बीमारी की हालत में इलाज न होने पर जिंदगी मौत की ओर सरकती जाती है। कहीं जवान विधवा के पास दो बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी तो है पर कमाई का साधन न होने से जिल्लत की जिंदगी जीने को मजबूर होती है, तो कहीं सिर पर मर्द का साया होते हुए भी शराब व दुर्व्यसनों के शिकारी पति से बेवजह पीटी जाती हैं इसलिए परिवार के भरण-पोषण के लिए मजबूरन सरकार के कानून को नजरंदाज करते हुए बाल श्रमिकों की संख्या चोरी छिपे बढ़ती ही जा रही है। कहीं कंठों में प्यास है पर पीने के लिए पानी नहीं, कहीं उपजाऊ खेत है पर बोने के लिए बीज नहीं, कहीं बच्चों में शिक्षा पाने की ललक है पर माँ-बाप के पास फीस के पैसे नहीं, कहीं प्रतिभा है पर उसके पनपने के लिए प्लेटफॉर्म नहीं। कैसी विडंबना है कि ऐसे आदिवासी गांवों में न सरकारी सहायता पहुंच पाती है न मानवीय संवेदना। अक्सर गांवों में बच्चे दुर्घटनाओं के शिकार होते ही रहते हैं पर उनका जीना और मरना राम भरोसे रहता है, पुकार किससे करें? माना कि हम किसी के भाग्य में आमूलचूल परिवर्तन ला सकें, यह संभव नहीं। पर हमारी भावनाओं में सेवा व सहयोग की नमी हो और करुणा का रस हो तो निश्चित ही कुछ परिवर्तन घटित हो सकता है। लेकिन अब आदिवासी जन-जीवन की तस्वीर बदल रही है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसके लिये अनेक योजनाओं को लेकर सक्रिय है। उनको गणि राजेन्द्र विजयजी जैसे परोपकारी एवं समाज-निर्माता संतों पर भरोसा है। तभी वे अक्सर सार्वजनिक मंचों एवं कार्यक्रमों में गणिजी को याद करते हैं। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में 4400 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए ऑनलाइन कांवट की आदिवासी महिलाओं से बात करते हुए गणि राजेन्द्र विजय को जिस स्नेह और आत्मीयता के साथ याद किया, वह दृश्य पूरे देश ने देखा और उनकी सेवाओं को महसूस किया। इसी तरह पूर्व लोकसभा चुनावी सभाओं में भी मोदी ने गणि राजेन्द्र विजयजी के द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। मोदी द्वारा इस तरह से इस पुण्य पुरुष को याद करना हमें उनके गौरव और अस्तित्व का अहसास कराता है। गणि राजेन्द्र विजयजी अपने इन्हीं व्यापक उपक्रमों की सफलता के लिये वे कठोर साधना करते हैं और अपने शरीर को तपाते हैं। अपनी पदयात्राओं में आदिवासी के साथ-साथ आम लोगों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार-निर्माण, नशा मुक्ति एवं रूढ़ि उन्मूलन की अलख जगा रहे हैं। इन यात्राओं का उद्देश्य है शिक्षा एवं पढ़ने की रूचि जागृत करने के साथ-साथ आदिवासी जनजीवन के मन में अहिंसा, नैतिकता एवं मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाना है। त्याग, साधना, सादगी, प्रबुद्धता एवं करुणा से ओतप्रोत आप आदिवासी जाति की अस्मिता की सुरक्षा के लिए तथा मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठापित करने के लिए सतत प्रयासरत हैं। मानो वे दांडी पकड़े गुजरात के उभरते हुए 'गांधी' हैं। इसी आदिवासी माटी में 19 मई, 1974 को एक आदिवासी परिवार में जन्में गणि राजेन्द्र विजयजी मात्र ग्यारह वर्ष की अवस्था में जैन मुनि बन गये। बीस से अधिक पुस्तकें लिखने वाले इस संत के भीतर एक ज्वाला है, जो कभी अश्लीलता के खिलाफ आन्दोलन करती हुए दिखती है, तो कभी जबरन धर्म परिवर्तन कराने वालों के प्रति मुखर हो जाती है। कभी जल, जमीन, जंगल के अस्तित्व के लिये मुखर हो जाती है। इस संत ने स्वस्थ एवं अहिंसक समाज निर्माण के लिये जिस तरह के प्रयत्न किये हैं, उनमें दिखावा नहीं है, प्रदर्शन नहीं है, प्रचार-प्रसार की भूख नहीं है, किसी सम्मान पाने की लालसा नहीं है, किन्हीं राजनेताओं को अपने मंचों पर बुलाकर अपने शक्ति के प्रदर्शन की अभीप्सा नहीं है। अपनी धून में यह संत आदर्श को स्थापित करने और आदिवासी समाज की शक्ल बदलने के लिये प्रयासरत है और इन प्रयासों के सुपरिणाम देखना हो तो कवांट, बलद, रंगपुर, बोडेली आदि-आदि आदिवासी क्षेत्रों में देखा जा सकता है। मेरी दृष्टि में गणि राजेन्द्र विजयजी के उपक्रम एवं प्रयास आदिवासी अंचल में एक रोशनी का अवतरण है, यह ऐसी रोशनी है जो हिंसा, आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद जैसी समस्याओं का समाधान बन रही है।

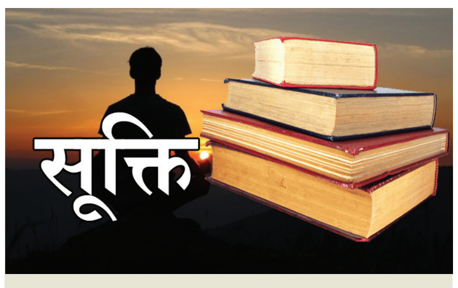

स्व प्रेरित होकर कार्य करना किसी बुद्धिमान व्यक्ति का सबसे मज़बूत गुण होता है।
- अज्ञात

साफ़ सुथरे सादे परिधान में ऐसा यौवन होता है जिसमें अधिक उम्र छिप जाती है।
- अज्ञात

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि सप्तमी, सोमवासरे, श्रवण नक्षत्रे, वृण योग, विव करणे, मकर की चंद्रमा, भद्रा 20/29 पंचक प्रारंभ रात्रि 3/28 सर्वार्थ सिद्ध योग, नवान्न भोजन, औषधि सेवन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, नीतिनिपुण, उद्योगपति, चूना-छुई, क्राकरी, सिरेमिक्स का व्यापारी, दूध की डेरी वाला, गाय-भैंस पालने वाला, उत्तम किसान होगा।

मेष राशि :- बेचैनी, उद्विघ्नता से बचिये, समय पर सोचे कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।
वृष राशि :- चिन्ताऐं कम हों, सफलता के साधन जुटायें, अचानक लाभ के योग अवश्य बनेंगे।
मिथुन राशि :- सफलता के साधन जुटायें, अचानक लाभ के योग अवश्य ही बनेंगे।
कर्क राशि :- व्यर्थ धन का व्यय, समय व शांति नष्ट होवे, विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे।
सिंह राशि :- भोग-ऐश्वर्य व स्वास्थ नरम रहे, तथा विरोधी वर्ग अवश्य ही परेशान करेंगे।
कन्या राशि :- धन व समय नष्ट हो, क्लेश व अशांति, यात्रा से कष्ट, चिन्ता अवश्य ही होगी।
तुला राशि :- परिश्रम से सफलता के कार्य अवश्य जुटायें, कार्य बाधा अवरोध से बचिये।
वृश्चिक राशि :- चोट आदि से बचिये, क्लेश व अशांति से बचिये, समय नष्ट होगा।
धनु राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, क्लेश व अशांति से बचिये, समय नष्ट होगा।
मकर राशि :- समय नष्ट हो, चिन्ता व यात्रा, व्यग्रता तथा स्वास्थ्य नरम-गरम होगा।
कुंभ राशि :- आकस्मिक घटनाओं से चोट आदि का भय होगा, ध्यान अवश्य रखेंगे।
मीन राशि :- अधिकारियों से कष्ट, इष्ट मित्र सहायक न होवे, समय व धन नष्ट होगा।

भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से जागी लोकतंत्र की उम्मीद

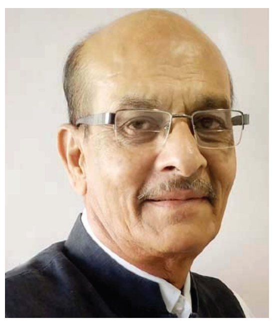

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की संवैधानिक ज़िम्मेदारी का प्रमाण है। 1998 में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री रहते हुए नारायण राणे ने जिस 30 एकड़ वन भूमि को बिल्डरों को सौंप दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने उसे अवैध घोषित करते हुए, भूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का आदेश दिए हैं। सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है, सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। वह मनमाने निर्णय नहीं ले सकते हैं। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है। जब देश में भ्रष्टाचार को लेकर गहरा अविश्वास एवं आम जनता में गुस्सा फैल रहा है। सत्ता में बैठे कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगते हैं। वर्तमान सरकारें भ्रष्टाचारा आरोपों की जांच भी नहीं कराना चाहती हैं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला देना, वर्तमान समय में न्यायपालिका का साहसिक संकेत है। न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं को उनकी पोजीशन के कारण नजर अंदाज न्यायपालिका नहीं करेगी। इस फैसले ने देश में नेता-बिल्डर-अधिकारियों के उस गठजोड़ को उजागर किया है। जो पिछले कई दशकों से सरकारी एवं जनहित की भूमि को अपने लाभ के लिए बेचता आया है। यह सरकारी एवं प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। जनता के भरोसे और उनके प्राकृतिक, मौलिक अधिकारों की हत्या भी है। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला विकास के नाम पर की गई लूट को अवैध रूप से कानूनी जामा पहनाने और निजी मुनाफे कमाने का जरिया हैं। इस पर सुप्रीमकोर्ट ने न्याय की गाज गिराई है। सुप्रीमकोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी सवाल उठना शुरू हो जाएंगे। विकास के नाम पर जिस तरह से सरकारी और सार्वजनिक स्थलों की लूट की जा रही है। उन पर रोक लगेगी। स्वाभाविक है, नारायण राणे अभी केंद्र में मंत्री हैं। उनके बेटे राज्य सरकार में मंत्री हैं। भाजपा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीति वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है, तो केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले के बाद त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केन्द्र सरकार को नारायण राणे को मंत्री परिषद से हटाना चाहिए। न्यायपालिका ने फैसला देकर अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। अब बारी कार्यपालिका की है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार के खिलाफ जनविश्वास को बहाल करे। यह फैसला राणे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुप्रीमकोर्ट के आदेश बाद सभी राज्यों में ऐसे सभी सौदों की निष्पक्ष और कठोर जांच शुरू कर कार्यवाही होनी चाहिए। सुप्रीमकोर्ट का यह निर्णय आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए सुप्रीमकोर्ट की यह एक चेतावनी भी है। यह महज़ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कानूनी फैसला भर नहीं है। यह फैसला इस बात का संदेश देता है, न्याय में भले विलंब हो जाए। दोषी को समय आने पर दंड जरूर मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आते ही न्याय के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का अहसास करना शुरू कर दिया है। न्यायपालिका पिछले कुछ वर्षों से दबाव में काम करती नजर आ रही है। सरकार और सत्ता पक्ष के राजनेताओं के खिलाफ फैसला देने से न्यायपालिका डरने लगी है। जिस तरह से सरकार ने न्यायपालिका पर दबाव बनाया है। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह फैसला न्यायपालिका के प्रति विश्वास जगाने वाला है। न्यायपालिका को लेकर आमजनों के बीच जो इमेज बन रही थी। निश्चित रूप से सुप्रीमकोर्ट के सख्त रूख से आमजनों के बीच न्यायपालिका के प्रति एक नया विश्वास जागृत होगा। भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान मजबूत होगा। सभी की जिम्मेदारी तय होगी, यही कहा जा सकता है।

आईएएस अधिकारीः ड्यूटी या डिजिटल स्टारडम?

डॉ. सत्यवान सौरभ

आईएएस अधिकारियों का सोशल मीडिया पर बढ़ता रुझान एक नई चुनौती बनता जा रहा है। वे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और ट्विटर पर नीतियों से जुड़ी जानकारियाँ और प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कर रहे हैं, जो जागरूकता बढ़ा सकती हैं। लेकिन क्या यह डिजिटल स्टारडम उनकी वास्तविक प्रशासनिक जिम्मेदारियों से समझौता है? व्यक्तिगत छवि बनाने की होड़ में पारदर्शिता और निष्पक्षता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में एक संतुलन जरूरी है, जहां अधिकारी डिजिटल दुनिया में सक्रिय रहते हुए भी जनता की सेवा को प्राथमिकता दें। भारत में सिविल सेवा हमेशा से ही सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतीक रही है। एक आईएएस अधिकारी का दायित्व न केवल नीतियों को लागू करना होता है, बल्कि जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें हल करना भी है। लेकिन हाल के वर्षों में एक नया चलन देखने को मिल रहा है - आईएएस अधिकारियों का सोशल मीडिया की ओर बढ़ता आकर्षण। कुछ अधिकारी इंस्टाग्राम, यूट्यूब और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म पर लगातार सक्रिय रहते हैं, अपने जीवन के पहलुओं को साझा करते हैं, व्लॉग बनाते हैं, और अपने प्रशासनिक अनुभवों के जरिए प्रेरणा देने का प्रयास करते हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह डिजिटल सक्रियता उनके मूल कर्तव्यों से ध्यान भटकाने का कारण बन रही है या फिर यह एक नई तरह की जनसेवा है?

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव- सोशल मीडिया का युग आते ही हर क्षेत्र ने अपनी उपस्थिति वहां दर्ज की है, तो भला नौकरशाही कैसे पीछे रह सकती थी। आईएएस अधिकारी भी इस डिजिटल दुनिया का हिस्सा बन चुके हैं। वे अपने अनुभव, सरकारी योजनाएं, और प्रेरणादायक कहानियाँ साझा करते हैं, जिससे आम जनता का प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। उदाहरण के लिए, बिहार की चर्चित आईएएस अधिकारी टीना डाबी हों या फिर कश्मीर के शाह फैसल, इन अधिकारियों ने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति से लाखों युवाओं को प्रेरित किया है।

जनजागरूकता का नया माध्यम- सोशल मीडिया पर सक्रिय आईएएस अधिकारी अपने फॉलोअर्स को न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हैं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता भी फैलाते हैं। वे आपदाओं के समय महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा करते हैं और जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यह पारंपरिक नौकरशाही के उस पुराने ढर्रे से बिल्कुल अलग है जहां अधिकारी केवल कागजों पर या सरकारी बैठकों में ही सीमित रहते थे।

लोकप्रियता और चुनौती- लेकिन सवाल यह है कि क्या इस डिजिटल सक्रियता का मतलब है कि ये अधिकारी अपने असली कर्तव्यों से भटक रहे हैं? क्या सोशल मीडिया पर छवि निर्माण का यह खेल उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से समझौता है? कई बार यह देखा गया है कि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया पर इतना व्यस्त हो जाते हैं कि उनकी मूल जिम्मेदारियां प्रभावित होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, किसी जिले के डीएम का समय अधिकतर क्षेत्रीय समस्याओं और विकास कार्यों में जाना चाहिए, न कि इंस्टाग्राम रील्स बनाने में।

अधिकारियों का स्टारडम- कुछ अधिकारी अपने सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने में इतने लिप्त हो जाते हैं कि वे सेलिब्रिटी जैसी पहचान बना लेते हैं। यह न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि उनके निर्णयों की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। क्या यह संभव है कि एक अधिकारी जनता की सेवा और लोकप्रियता की होड़ के बीच संतुलन बना सके?

प्रभाव और पारदर्शिता का सवाल- इसके अलावा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जब अधिकारी सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत विचार साझा करते हैं, तो इससे उनकी निष्पक्षता पर भी सवाल उठ सकते हैं। जनता के प्रति उनकी जवाबदेही और निष्पक्षता का संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। एक ओर वे जनता के सामने सीधे संवाद कर रहे हैं, तो दूसरी ओर वे एक छवि बनाने में भी लगे हैं, जो अक्सर वास्तविकता से भिन्न हो सकती है।

निजता और सुरक्षा का मुद्दा- सोशल मीडिया पर अधिक सक्रियता से अधिकारियों की निजता और सुरक्षा भी खतरे में आ सकती है। वे जिस प्रकार से अपने दिनचर्या, लोकेशन और व्यक्तिगत जीवन की जानकारी साझा करते हैं, वह सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक हो सकता है। साथ ही, साइबर अपराधों और ट्रोलिंग का खतरा भी बना रहता है।

संवेदनशील मुद्दों पर जिम्मेदारी- इसके अलावा, अधिकारियों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि वे कौन सी जानकारियां साझा कर रहे हैं। कई बार उनका एक बयान या विचार राजनीतिक विवादों को जन्म दे सकता है। इससे न केवल उनकी व्यक्तिगत छवि बल्कि पूरे प्रशासनिक ढांचे की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

आम आदमी की अपेक्षाएँ- जब जनता एक अधिकारी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखकर उसकी तारीफ करती है, तो कहीं न कहीं उनकी अपेक्षाएँ भी बढ़ जाती हैं। वे यह मानने लगते हैं कि जो अधिकारी ऑनलाइन इतना सक्रिय है, वह ज़मीनी हकीकत में भी उतना ही समर्पित होगा। लेकिन क्या यह हमेशा सच होता है? क्या डिजिटल स्टारडम वास्तविक प्रशासनिक कार्यों में भी प्रभावी हो सकता है? आईएएस अधिकारियों का सोशल मीडिया पर सक्रिय होना एक सकारात्मक कदम हो सकता है, बशर्ते वे इसे अपने कर्तव्यों से ऊपर न रखें। डिजिटल दुनिया में उनकी उपस्थिति समाज को प्रेरित कर सकती है, जागरूकता बढ़ा सकती है, और युवाओं के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। लेकिन यह भी सच है कि कभी-कभी यह लोकप्रियता का पीछा करने का खेल बन जाता है, जिससे उनके प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, बिहार की टीना डाबी, जिन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स से लाखों युवाओं को सिविल सेवा में आने की प्रेरणा दी, या फिर शाह फैसल, जिन्होंने सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर कश्मीर के मुद्दों पर खुलकर अपने विचार रखे। लेकिन दूसरी ओर, अधिक डिजिटल सक्रियता से उनकी पारदर्शिता, निष्पक्षता, और सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होते हैं। ऐसे में ज़रूरी है कि अधिकारी डिजिटल स्टारडम और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखें, ताकि वे न केवल एक अच्छे नेता, बल्कि एक जिम्मेदार अधिकारी भी साबित हो सकें। आखिरकार, उनकी सबसे बड़ी सेवा जनता की समस्याओं का समाधान है, न कि सिर्फ लाइक्स और फॉलोअर्स बटोरना।

सूडोकु नवताल- 7434

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7433 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

बयानबाजी से बाज आयें बड़बोले नेता

विनोद कुमार सिंह

भारतीय राजनीति के गलियारों मे चिंता व चिन्तन होने लगा है कि राजनीतिक दल अपने नेताओं को केवल चुनाव जिताने वाली मशीनें न समझें, बल्कि उन्हें संवैधानिक जिम्मेदारी,नेता अपनी भाषा की मर्यादा और सामाजिक समरता व संतुलन का पाठ पढ़ाएं चुनाव आयोग को भी ऐसे बयानों पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कठोर निर्देश और दंड का प्रावधान करना चाहिए ताकि यह संदेश स्पष्ट हो जाए कि कोई भी व्यक्ति संविधान से ऊपर नहीं है।ऐसे बयान बाज बड़बोले नेता से बिगड़ बोल से जनता भारी आक्रोश व्याप्त है सम्पूर्ण विश्व का ध्यान इन दिनों भारत पर टिकी हुई है। विशेषकर अन्तराष्ट्रीय राजनीति विशेलषज्ञों का,विगत दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पाक युद्ध से जो स्थिति उत्पन्न हुई थी।जिसमें हमारी पराक्रमी सेनाओं नें आतंकी के आकाओं पाकिस्तान के सरजमीं में घुस कर उनके ठिकानों जमींदोष कर दिया है।जिसके बाद हमारे सेनाओं व देश - विदेशों में की जय जयकार हो रही थी,तभी मध्य प्रदेश के एक बड़ बोले भाजपा के कैबनेट मंत्री नें एक जन सभा में गैर जिम्मेदार ब्यान बाजी का बेसुरा राग अलाप दिया । यह मामला मध्य प्रदेश के उच्च न्यायलय में पहुँच गया।परिणाम की गंभीरता को भापते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दिया। उच्च न्यायलय ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया कि आज शाम 6 बजे तक एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया और चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर न्यायालय की अवमानना अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी।वही मंत्री के वकील ने तर्क दिया कि अदालत का आदेश पूरी तरह से अख़बारों की रिपोर्टों पर आधारित था।अदालत ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता(बीएनएस)की धारा 196,जो धर्म के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी भड़काने वाले भाषणों या कार्यों को दंडित करती है,इस मामले में प्रथम दृष्टया लागू होती है।मध्य प्रदेश में मंगलवार को उस समय राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।राज्य के आदिवासी मामलों के मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर पर मीडिया को जानकारी देने वाली दो महिला सैन्य अधिकारियों में से एक कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में टिप्पणी की।कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टिप्पणी को "शर्मनाक और अश्लील" कहा।विपक्ष की ओर से व्यापक निंदा और अपनी ही पार्टी के भीतर आलोचना के बाद उन्होंने मंगलवार को माफ़ी मांगी।कर्नल सोफिया कुरैशी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए शाह ने कहा, जिन्होंने हमारी बेटियों को विधवा बनाया,हमने उन्हें सबक सिखाने के लिए उनकी अपनी बहन को भेजा।ऑपरेशन सिंदूर के शुरू होने के बाद से कुरैशी ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ मीडिया को कई बार जानकारी दी थी। वही राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी कर्नल सोफिया कुरैशी के प्रति अपमान जनक टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है तथा समाज से सशस्त्र बलों में सेवारत महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाने का आह्वान किया है।हालांकि एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं लिया,लेकिन उनकी टिप्पणी मध्य प्रदेश के मंत्री द्वारा कर्नल कुरैशी के खिलाफ की गई टिप्पणी से उपजे जनाक्रोश के बाद आई है।उन्होंने कहा,यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा ऐसे बयान दिए जा रहे हैं जो महिलाओं के प्रति अपमानजनक और अस्वीकार्य हैं। इससे न केवल हमारे समाज में महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचती है,बल्कि देश की उन बेटियों का भी अपमान होता है जो देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभा रही हैं। आप को बता दे कि उच्च न्यायालय के आदेश पर मंत्री पर एफ आई आर दर्ज होने के बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाया।जहाँ विजय शाह के द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है।इसके साथ सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के द्वारा दिए गए एफआईआर के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मंत्री विजय शाह की मुश्किलें बढ़ीं,सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप एक मंत्री है,ऐसे संवेदन शील वक्त में एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को सोच समझकर बोलना चाहिए।सीजेआई ने कहा कि आप जानते हैं ना कि आप कौन हैं? इस पर विजय शाह ने वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल ने माफी मांग ली है।मीडिया ने उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है।

संक्षिप्त समाचार

मोरहाबादी में 22 करोड़ खर्च के बाद भी नहीं बना टाइम्स स्कायर, अब तोड़ा जा रहा स्टेज

रांची, एजेंसी। रांची के मोरहाबादी मैदान को न्यूयार्क के टाइम्स स्कायर की तर्ज पर विकसित करने पर 22 करोड़ रुपए खर्च किए गए। लेकिन पिछले सात सालों में यह टाइम्स स्कायर नहीं बन पाया। नगर विकास विभाग की एजेंसी जुडको ने मैदान में एक भव्य मंच और उसके ऊपर स्टील का टेनसाइल स्ट्रक्चर बनवाया था। इसमें करीब दो करोड़ रुपए खर्च हुए थे। इसके अलावा 11 एलईडी स्क्रीन, हाईमास्ट लाइट, 32 गोबो लाइट, डेकोरेटिव लाइट, कंट्रोल रूम, पैनल रूम, ट्रांसफार्मर और दो जनरेटर लगाए गए थे। लेकिन साल में दो से तीन बार ही एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल हुआ। आम लोगों को इससे कोई फायदा नहीं हुआ। मैदान में बने मंच का ही इस्तेमाल हो रहा था, लेकिन अब विधि-व्यवस्था का हवाला देकर उसे भी तोड़ा जा रहा है। मंच को तोड़कर मैदान को समतल किया जाएगा। लेकिन इसके लिए कहीं से भी एनओसी नहीं ली गई है। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के निर्देश पर इतनी बड़ी संरचना का निर्माण हुआ था, लेकिन किसके निर्देश पर तोड़ा जा रहा है, इस पर अधिकारियों ने चुप्पी साध ली है। मालूम हो कि मोरहाबादी में स्थाई मंच बनने की वजह से टेंट हाउस वालों की दुकानदारी बंद हो गई थी। क्योंकि, जब भी कोई राजनीतिक या अन्य कार्यक्रम होते थे तो मंच बनाने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मंच टूटने से एक बार फिर टेंट हाउस वालों की चांदी हो जाएगी।

मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को गढ़वा जिले में बसाने की तैयारी, मुआवजे को लेकर भी आया अपडेट

रांची, एजेंसी। उत्तर कोयल नहर परियोजना यानि मंडल डैम के डूब प्रभावित क्षेत्र में आने वाले लोगों को पुनर्वासित करने की योजना जल्द ही पूरी होने वाली है। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने हाल ही में इस क्षेत्र का दौरा किया था और लोगों को सुविधायुक्त पुनर्वास का निर्देश दिया था। जानकारी के मुताबिक मंडल डैम से प्रभावित 780 परिवारों को 15-15 लाख रुपये और एक एकड़ जमीन दी जाएगी। गढ़वा जिले के रंका प्रखंड के विश्रामपुर में इन प्रभावित परिवारों को बसाने की तैयारी है। 1972 में बनी मंडल डैम योजना को अब तक पूरा नहीं किया जा सका है। जनवरी 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डैम के अधूरे काम को पूरा करने वाली योजना का शिलान्यास किया है। हालांकि, इसके बाद से अब तक कोई निर्माण इस क्षेत्र में नहीं हुआ है। यह ऐसा पहला प्रोजेक्ट है, जिसके पूरा होने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की ओर से दो बार राशि निर्गत की गई है। मंडल डैम लगभग बनकर तैयार है। बिहार और झारखंड क्षेत्र में नहर का निर्माण भी हो चुका है, लेकिन डैम की मौजूदा 367 मीटर उंचाई को कम करने के लिए पलामू टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से कहा गया है। उंचाई कम करने से हजारों की संख्या में पेड़ कटने से बच जाएंगे।

विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड मत्स्य विभाग पहुंची तिलैया डैम

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के बरही अनुमंडल अंतर्गत तिलैया जलाशय विश्व बैंक, एएफडी, एनसीडीसी और झारखंड राज्य मत्स्य विभाग की टीम पहुंची। तिलैया डैम स्थित बुंडू में संचालित केज कल्चर गतिविधियों का टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम का नेतृत्व विश्व बैंक के वरिष्ठ मत्स्य उद्योग मानक विशेषज्ञ जूलियन मिलियन ने किया। एएफडी से मिस ऑर्फी सिलार्ड और निधि बत्रा, भारत सरकार से आईए सिद्धिकी और नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड से मासूम वहीद शामिल थे। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना की प्रगति का मूल्यांकन करना और मत्स्य किसानों की आर्थिक स्थिति का आकलन करना था। यह गतिविधि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट योजना के अंतर्गत चिह्नित की गई है। जिसके माध्यम से स्थानीय मत्स्य कृषकों को आर्थिक रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है।टीम ने जलाशय में लगे केजों की संरचना, प्रबंधन, उत्पादन प्रणाली और किसानों की भागीदारी का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मत्स्य कृषकों से सीधा संवाद भी किया। निरीक्षण टीम के सामने किसानों ने अपनी चुनौतियां साझा करते हुए राज्य में स्थानीय स्तर पर उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन इकाई और हाईटेक फीड निर्माण इकाई की आवश्यकता पर बल दिया है।

सीबीआई करेगी झारखंड शराब घोटाले की जांच

छापामारी में जब्त सामान को लेकर भी आदेश जारी

रांची, एजेंसी। के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के पूर्व अधिकारियों सहित अन्य के ठिकानों से जब्त आइफोन व अन्य दस्तावेज फिलहाल ईडी के कब्जे में ही रहेंगे। यह निर्देश नई दिल्ली स्थित ईडी की न्याय निर्णय प्राधिकरण (एडजुकेटिंग अथॉरिटी) का है।

एडजुकेटिंग अथॉरिटी ने ईडी की याचिका पर सुनवाई के बाद यह यह आदेश दिया है। शराब घोटाला मामले में मनी लांड्रिंग के तहत जांच के दौरान ईडी ने यह जब्ती 29 अक्टूबर 2024 को की थी। तब ईडी ने शराब घोटाला मामले में झारखंड व छत्तीसगढ़ के अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर एक साथ छापामारी की थी। इस छापामारी में झारखंड की वर्तमान उत्पाद नीति (जनवरी 2022 में छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के मॉडल आधारित) से जुड़े कागजात, प्रिज्म कंपनी के होलोग्राम के नमूने, दो आइफोन, अन्य मोबाइल आदि की बरामदगी हुई थी। उक्त साक्ष्य व दस्तावेज ईडी के कब्जे में रहे, इसके लिए ही ईडी ने एडजुकेटिंग अथॉरिटी में याचिका दाखिल कर रखी थी।

पूरा मामला झारखंड में 31 मार्च 2022 से लागू नई उत्पाद नीति से संबंधित है। आरोप है कि इसके लिए जनवरी 2022 में झारखंड में उत्पाद नीति को बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ तत्कालीन उत्पाद सचिव व अन्य अधिकारियों ने प्लान किया और रायपुर में बैठक की थी।

यह भी आरोप है कि उत्पाद नीति लागू होने के बाद दो वर्षों तक झारखंड उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ की एजेंसियां कार्यरत रहीं। नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर झारखंड सरकार को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई। ईडी की जांच जारी है। झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह व अन्य के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा रायपुर में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ही ईडी ने गत वर्ष अपने यहां ईसीआइआर दर्ज किया था। उक्त केस रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

विकास सिंह का आरोप था कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अनिल टुटेजा, छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, रायपुर के बैरन बाजार निवासी अनवर ढेबर व उनके सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर साजिशपूर्वक झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया।

झारखंड में देशी व विदेशी शराब का ठेका सिंडिकेट के लोगों को दिलवाकर धोखाधड़ी की और झारखंड सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया। इस सिंडिकेट में झारखंड में बेहिसाब नकली होलोग्राम लगी देशी शराब की बिक्री कर तथा विदेशी शराब की सप्लाई का काम दिलवाकर उन कंपनियों से करोड़ों रुपये का कमीशन लिया।

शराब घोटाला प्रकरण में रायपुर की आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) में दर्ज केस में जल्द ही सीबीआई की एंट्री होगी। ईओडब्ल्यू ने सीबीआई से इसकी अनुशंसा की थी और उक्त केस की जांच करने का आग्रह किया है।

इससे संबंधित दस्तावेज भी ईओडब्ल्यू ने सीबीआई मुख्यालय को भेजा था। बताया जा रहा है कि झारखंड में शराब घोटाला केस में सीबीआई जांच होगी। इसकी तैयारी चल रही है।

हीट वेव की चपेट में खूंटी जिला, 15-20 हर रोज अस्पताल में हो रहे एडमिट!

खूंटी, एजेंसी। इन दिनों खूंटी और आसपास के क्षेत्रों के लोग गर्मी से परेशान हैं। जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। चिलचिलाती गर्मी ने जनजीवन अस्तव्यस्त कर दिया है। इससे लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूल आने-जाने वाले छात्र-छात्राओं और रोजमर्रा की जिंदगी जीवन यापन करने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी हो रही है।

हालांकि इस बीच अचानक मौसम बदलने व हवा चलने के कारण गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली। पिछले एक सप्ताह से जिला का तापमान लगातार बढ़ रहा है। जिसकी वजह से लोग बीमार पड़ रहे हैं, जिसमें ज्यादातर बच्चे शामिल है। सदर अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी है।

डॉक्टर ने दी गर्मी से बचने की सलाहः खूंटी सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ। आनंद किशोर उरांव ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ ही मरीजों की संख्या बढ़ी है। पहले जहां दो ढाई सौ मरीज अस्पताल आते थे। वहीं अब इसकी संख्या बढ़कर तीन सौ पार हो गयी है। ज्यादातर मरीज बुखार, दस्त, डिहाइड्रेशन, सिर दर्द आदि शिकायत लेकर आ रहे है। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में सभी तरह की इलाज की व्यवस्था है। सिविल सर्जन डॉ। नागेश्वर मांझी ने गर्मी से बेहाल लोगों को विशेष सलाह दी है। सीएस ने कहा कि लिक्विड पदार्थ का सेवन अधिक करें। बहुत जरूरी हो, तभी सिर में कपड़ा, टॉपी पहनकर ही घर से बाहर निकलें। खाली पेट बिल्कुल भी न रहें। हमेशा पानी पीते रहें। ज्यादा से ज्यादा लिक्विड पदार्थ का सेवन करें। संभव हो तो नॉन वेज का इस्तेमाल कम से कम करने का प्रयास करें।

हज यात्रा की तैयारियों को लेकर मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने की समीक्षा बैठक

रांची, एजेंसी। हज यात्रा से जुड़ी तैयारियों की शुक्रवार को कडरू स्थित हज हाउस में विस्तृत समीक्षा हुई। हज-2025 की तैयारियों को लेकर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एवं हज कमेटी के अध्यक्ष डॉ इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले झारखंड के लगभग 1300 हज यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और संपूर्ण व्यवस्था को बेहतर बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा जाएगा।

अधिकारियों को डॉ इरफान अंसारी का निर्देश : डॉ। इरफान अंसारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी हज यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं जैसे आवास, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और उच्च गुणवत्ता के साथ समय पर भोजन उपलब्ध हो इसकी व्यवस्था में अभी से लग जाएं।

उन्होंने कहा कि हज यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुखद बनाने की दिशा में राज्य सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हज यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। सभी आवश्यक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की जा चुकी है और मेडिकल टीमों को पूरी तरह से तैयार रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके।

जल्द शुरू होगी हजयात्रियों के टीकाकरण और अन्य प्रक्रिया : डॉ।इरफान अंसारी ने यह भी जानकारी दी कि हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, दस्तावेज़ सत्यापन, टीकाकरण एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार राज्य के हज यात्रियों को हर संभव सुविधा देने हेतु संकल्पित है। राज्य हज कमेटी और संबंधित विभाग हज-2025 को सफल, सुव्यवस्थित और यात्री हित में सम्पन्न कराने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्यरत हैं।

लरंगो में कोयल नदी से अवैध बालू का हो रहा उठाव

सिसई, एजेंसी। सिसई प्रखंड क्षेत्र के लरंगो गांव स्थित कोयल नदी में दर्जनों ट्रेक्टर लगाकर नदी का अंधाधुंध दोहन कर जीएसएमडीसी के भंडारण स्थल में भारी मात्रा में बालू भंडारण करने में जुट गए हैं। सभी नियम कानून को ताक पर रखकर 30 से 35 ट्रैक्टर से प्रतिदिन बालू उठाव कराया जा रहा है। जिसमे अधिकांश ट्रैक्टर बिना नम्बर का है, ग्रामीणों के अनुसार बंदोबस्त क्षेत्र से हटकर भी नदी से बालू का उठाव किया जा रहा है। जिससे लरंगो व बाला खटंगा के ग्रामीणों की जेएसएमडीसी के कर्मियों से आए दिन नोकझोंक होते रहती है। यह नोकझोंक किसी दिन मारपीट में तब्दील हो जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। ग्रामीणों ने बताया कि जेएसएमडीसी के द्वारा सीमा क्षेत्र से बाहर अतिक्रमण कर बालू उठाव करने को लेकर पूर्व में दर्जनों बार कर्मियों व ग्रामीणों का टकराव हो चुका है। चार से पांच बार प्रशासन मापी कर सीमांकन भी कर चुका है। किन्तु जेएस एमडीसी के सीमांकन क्षेत्र में बालू नहीं होने के कारण अतिक्रमण कर घाघरा प्रखंड क्षेत्र से बालू का उठाव किया जाता रहा है। अवैध बालू उठाव को लेकर घाघरा प्रखण्ड के नवाडीह पंचायत की पूर्व मुखिया बांदों देवी करीब दो साल पहले जेएसएमडीसी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराई थी। कोर्ट के निर्देश पर उस समय प्रशासन ने जेएस एमडीसी का 8 से 9 लाख सीएफटी बालू भंडारण स्थल में जब्त किया है।

पिछले एक सप्ताह से जेएसएमडीसी के लोग उक्त जब्त बालू के चारो ओर बालू गिराकर दिया है, इससे उन लोगो की जब्त बालू को कब्जाने की मंशा साफ दिखाई देता है। जेएसएमडीसी के बंदोबस्त नदी क्षेत्र खेत मे परिवर्तित होते जा रहा है,नदी में घांस उग आए है। भंडारण का कही कोई बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। लंरगो पंचायत के मुखिया पति सह पूर्व मुखिया सुफल उरांव ने बताया कि वर्ष 2017 के पहले की तरह बालू घाटों की अब खुली नीलामी जिलों के द्वारा की जाएगी। बालू घाटों पर अब जेएसएमडीसी का अधिकार समाप्त हो गया है। जेएसएमडीसी के पास यह अधिकार अब 31 अगस्त 2025 तक ही है। झारखंड सरकार कैबिनेट की नौ मई को हुई बैठक में झारखंड सैंड माइनिंग रूल 2025 को अधिसूचित करने की स्वीकृति दी गई है।

लरंगो कोयल नदी घाट की बंदोबस्ती का सबसे अधिक लरंगो व नवाडीह पंचायत के लोगो को उठाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगो को सरकारी आवास,विकास योजना और निजी मकान बनाने वालों को भी जेएसएमडीसी के चलान से 3 हजार से 35 सौ तक चुकाकर लेना पड़ रहा है।

मरने का नाटक कर अपराधी ने बचायी थी ग्रामीणों से जान, इलाज के बाद भेजा गया जेल

धनबाद, एजेंसी। बिराजपुर बाजार के सर्राफा कारोबारी सहदेव सोनार से लूटपाट के दौरान ग्रामीणों के हत्थे चढ़े कारू महतो को एसएनएमएमसीएच में इलाज के बाद बरवाअड्डा पुलिस ने गुरुवार को धनबाद जेल भेज दिया है।पुलिस पूछताछ में कारू ने बताया कि गिरोह का मुख्य सरगना दीपक दास (गिरिडीह) व पुनीत तुरी (नावाडीह-बोकारो) है।दीपक दास ने उसे बिराजपुर के एक सर्राफा कारोबारी को लूटने के लिए बरवाअड्डा बुलाया था।दीपक दास व पुनीत तुरी से दोस्ती तेनुघाट जेल में हुई थी।जेल से छूटने के बाद दीपक ने सर्राफा कारोबारी से लूटपाट की योजना बनायी।इसके बाद तीनों एक ही बाइक से शाम पांच बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।

यहां सर्राफा कारोबारी की दुकान का मुआयना किया।बाजार में भीड़भाड़ को देखते हुए तीनों बिराजपुर से पंजनिया, बेहराडीह होते हुए काडालगा-मरिचो चले गये।फिर रात आठ बजे बिराजपुर बाजार पहुंचे।वहां लोगों का अधिक आवागमन को देखते हुए योजना बदल दी।सड़क पर गुजरने के दौरान लूटने की योजना बनायी।फिर खंडेरी, मिश्रडीह होते हुए पथिकडीह मोड़ पहुंचे।हमलोग अमन साहू गैंग से जुड़े हुए हैं।बिराजपुर बाजार स्थित सहदेव सोनार के ज्वेलर्स दुकान के सामने स्थित एक अन्य सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने की योजना बनी थी।लेकिन इससे पूर्व सहदेव सोनार आ गया और हमलोगों ने उससे लूटपाट की।लोकल लिंक से पता चला कि बिराजपुर बाजार के जिस सर्राफा कारोबारी को लूटना था।वह अभी तक दुकान बंद कर नहीं निकला है, तो सहदेव सोनार को बंधक बनाकर उसके आना का इंतजार करने लगे।इस दौरान कारू पकड़ा गया।ग्रामीण मुझसे मारपीट करने लगे, तो मैं मरने का नाटक कर अपनी जान बचायी.

कारू ने पुलिस को बताया कि दीपक दास गिरिडीह में रहता है।वहां उसकी बहन का घर भी है।उसकी बहन के घर में हमलोग दो दिन रुके हुए थे।दीपक के पिता बीसीसीएल कर्मी थे।पहले दुग्दा में रहते थे।लेकिन पिता के रिटायर्ड होने के बाद गिरिडीह में रहने लगे।दीपक ने घटना को अंजाम देने के लिए बेंगाबाद-गिरिडीह में हथियार खरीदा था।फिर हमलोग हथियार लेकर सोना, चांदी के व्यापारी को लूटने बिराजपुर पहुंचे.

पुलिस जांच में यह बात सामने आयी है कि अपराधी पुनीत तुरी व कारू महतो नावाडीह थाना के समीप रहते हैं।दोनों घर में बहुत कम रहते हैं।कभी-कभी अपने घर में आते हैं।दोनों की गर्लफ्रेंड हैं।कारू महतो ने ओडिशा से एक महिला को भगाकर अपने घर में रखा हुआ।इसी को लेकर विवाद होने के बाद दूसरी जगह रहने लगा।इस संबंध थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि ने कहा कि कारू महतो से पूछताछ में अहम जानकारी मिली है।कारू महतो को जेल भेज दिया गया।फरार अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी जारी है.

...तो क्या दुष्कर्मी को इनाम देगी झारखंड सरकार नवाडीह की घटना पर चंपाई सोरेन का तीखा हमला

बोकारो, एजेंसी। नावाडीह की घटना पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सरकार के कार्य प्रणाली पर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस के अनुसार, महिला ने आत्मरक्षा में शोर मचाया और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसकी मदद की। पर झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी एक पक्षीय काम कर रहे हैं। उन्होंने मृतक आरोपी के परिवार को 6 लाख रुपये की सहायता और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी देने की घोषणा की।

इसमें राहुल गांधी की ओर से 1 लाख, मुख्यमंत्री की ओर से 1 लाख और राज्य सरकार की ओर से 4 लाख की मदद शामिल है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने तीखी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि क्या अब रेपिस्ट को इनाम मिलेगा? यह आदिवासी समाज और हमारी बेटियों का अपमान है। बताया है कि एक गांव में एक आदिवासी महिला ने आरोप लगाया कि एक मुस्लिम युवक, अब्दुल अंसारी, ने उसके साथ बलात्कार करने की कोशिश की।

महिला के शोर मचाने पर गांव वाले इकट्ठा हो गए और उसे बचाया। इस दौरान हुई हाथापाई में आरोपी घायल हो गया और बाद में उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, महिला ने आत्मरक्षा की और शुरुआती जांच में यह पाया गया कि महिला पर हमले की पुष्टि होती है। इसके बावजूद एक पक्षीय कार्रवाई हो रही है। चंपाई सोरेन ने इसे झारखंड की आत्मा पर हमला बताया और सवाल उठाया कि एक दुष्कर्मी के पक्ष में खड़ी सरकार क्या आदिवासी महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है?

उन्होंने इसे वोट बैंक की राजनीति करार देते हुए कहा कि यह फैसला कानून और नैतिकता दोनों के खिलाफ है। उन्होंने आदिवासी समाज से जागरूक होने और इस अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करने की अपील की।

चंपाई सोरेन ने कहा कि जागो आदिवासियों, जागो, अगर आज नहीं बोले, तो कल हमारी बेटियां असुरक्षित होंगी।बोकारो की यह घटना सिर्फ एक अपराध नहीं, बल्कि राज्य की संवेदनशीलता, सामाजिक न्याय और राजनीतिक नैतिकता की कसौटी बन गई है।

चंपाई सोरेन की प्रतिक्रिया ने इस पूरे मुद्दे को राज्यव्यापी बहस में बदल दिया है। अब देखना यह है कि सरकार इस पर क्या सफाई देती है और जनता क्या फैसला करती है।

झारखंड में विदेश में बनी शराब सस्ती मिलेगी : मॉडल दुकानों में होगी बैठ कर पीने की सुविधा

रांची, एजेंसी। झारखंड में अब विदेशों में बनी शराब सस्ती मिलेगी। जबकि राज्य में बनी और यहां बिकने वाली पॉपुलर ब्रांड की शराब महंगी हो जाएगी। नई उत्पाद नीति में शराब पर लगने वाली वैट में कटौती की गई है। इसी वजह से ऐसा हो रहा है। इसके अतिरिक्त नई शराब नीति दुकानों से न केवल शराब खरीदने की सुविधा दे रहा है बल्कि अब दुकानों में ही बैठ कर पीने की भी व्यवस्था रहेगी। ऐसा उन दुकानों में होगा जिसे मॉडल शराब दुकान के नाम से खोला जाएगा। नगर निगम व परिषद क्षेत्र में विदेशी शराब की ऑफ दुकान को मॉडल शॉप में अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिए तय शर्तों के अनुसार जगह जरूरी होगी।

वातानुकूलित कक्ष, टेबल-कुर्सी, किचन की व्यवस्था करनी होगी। मॉडल शॉप में वाइन, बीयर, ब्रीजर, विदेशी और आईएमएफएल ब्रांड मिलेंगे। इच्छुक व्यक्ति को पहले ऑफ दुकान की बंदोबस्ती लेनी होगी। अपग्रेडेशन के लिए नक्शा समेत दस्तावेज जमा करने होंगे।

उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग नई शराब नीति को लागू करने में जुट गया है। अब तक कहा जा रहा था कि जून से ही नई व्यवस्था लागू कर दी जाएगी पर ऐसा होता दिख नहीं रहा

है। नीति के बनने से लेकर उसे लागू करने की प्रक्रिया में औसत 40 से 45 दिन लगने की संभावना है। इस वजह से खुदरा शराब की दुकानें, जुलाई महीने से ही निजी हाथों में जा सकेंगी। फिलहाल, विभाग नई उत्पाद नीति लागू करने के लिए आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने में जुटा है।

राज्य में खुदरा शराब की दुकानों का ई-लॉटरी के माध्यम से बंदोबस्त किया जाना है। इसके लिए एनआईसी की मदद से सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। सॉफ्टवेयर की टेस्टिंग भी की जा चुकी है। अब सॉफ्टवेयर के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में दुकानों के आवंटन के लिए मिलने वाले आवेदनों का त्वरित गति से निष्पादन हो सकेगा। कम से कम समय में ही यह तय हो जाएगा कि किस आवेदक को संबंधित दुकानों की बंदोबस्ती मिलेगी। इसके बाद संबंधित आवेदक द्वारा सभी तरह के शुल्क और अन्य दस्तावेज जमा कर दुकानों का लाइसेंस लिया जाएगा।

राज्य में शराब की खुदरा दुकानों की संख्या 1453 है, जिनकी बंदोबस्ती की जानी है। हालांकि, समीक्षा के बाद कुछ जिलों में खुदरा शराब की दुकानों में वृद्धि की भी संभावना है। दुकानों की बंदोबस्ती समूह के आधार पर की जाएगी। एक समूह में एक से लेकर अधिकतम चार दुकानें शामिल रहेंगी। सरकार का यह प्रयास रहेगा कि शराब की सभी 1453 खुदरा दुकानों की बंदोबस्ती हो जाए, ताकि सरकार को इसका पूरा का पूरा राजस्व मिल सके। इसके लिए विभागीय स्तर पर अलग से तैयारी की जाएगी, ताकि कोई भी दुकान बिना बंदोबस्त न रह सके। आयुक्त उत्पाद विजय कुमार सिन्हा प्रशिक्षण लेने राज्य से बाहर गए हैं। ऐसे में पांच अप्रैल से ही उत्पाद आयुक्त का पद खाली चल रहा है। वे 13 जून तक प्रशिक्षण में रहेंगे। इतनी लंबी अवधि के लिए भी किसी को उत्पाद आयुक्त का प्रभार नहीं दिया गया है। उत्पाद आयुक्त की अनुपस्थिति में ही नई उत्पाद नीति लागू करने की कार्रवाई शुरू की गई है। नई उत्पाद नीति के कैबिनेट से पारित होने के बाद अब सबसे पहले गजट नोटिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद मुख्यालय स्तर पर सेल नोटिफिकेशन जारी होगा। फिर मुख्यालय द्वारा भेजे गए प्रारूप के आधार पर राज्य के विभिन्न जिलों में सेल नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा, जिसमें दुकानों के लिए कब आवेदन देना है, कब आवेदनों की स्क्रूटनी होगी, यह सारी जानकारी शराब कारोबारियों को दी जाएगी, ताकि वे दुकानों की बंदोबस्ती के लिए उचित दस्तावेज के साथ समय पर आवेदन जमा कर सकें।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के टाइगर रिजर्व में शराब पार्टी, चार वनपाल समेत 11 अरेस्ट, हड़कंप

पश्चिम चंपारण, एजेंसी। शराबबंदी वाले राज्य बिहार में शराब पीते कई बार लोग पकड़े जाते हैं। इस बार एक टाइगर रिजर्व में बियर पार्टी करते जंगल के रक्षक ही पकड़े गए हैं। पश्चिम चंपारण में स्थित वाल्मिकी टाइगर रिजर्व बीयर पार्टी करते चार वनपाल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, बगहा के नौरंगिया में एसडीपीओ की छापेमारी में शराब पीते चार वनपाल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की टीम ने मौके से आठ बियर की बोतलों को भी जब्त किया है। इस कार्रवाई के बाद से यहां हड़कंप मचा हुआ है। शनिवार की रात यहां शराब पार्टी चल रही थी। इधर अपनी गुप्त सूचना पर एसडीपीओ वहां छापेमारी करने पहुंच गए। जिसके बाद जंगल में बीयर पार्टी का भेद खुल गया। शराब पीने के मामले में वनपालों के गिरफ्तार होने से वन विभाग सकते में है।

संजय चौधरी हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले डिप्टी सीएम

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। संजय चौधरी हत्याकांड मामले में शनिवार को डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि सदर थाना के पताही से भगवानपुर के बीच आपराधिक घटना बढ़ गई है। जल्द से इसे ठीक करने की उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को चेतावनी दी। इस दौरान डिप्टी सीएम के साथ पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, हरिमोहन चौधरी और स्थानीय मुखिया संजय कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे। पीड़ित परिवार ने डिप्टी सीएम से जल्द से जल्द घटना में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सेनाओं ने शौर्य को दुनिया को दिखाया : दिलीप जायसवाल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल शनिवार को मुजफ्फरपुर पहुंचे। यहां उन्होंने भारतीय सेना के शौर्य और सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा में भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान गगनभेदी नारों से पूरा शहर गूंजता रहा। तिरंगा यात्रा में भाजपा के कार्यकर्ताओं के अलावा सभी धर्म व समाज के लोगों की सहभागिता रही। डॉ. जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना ने पाकिस्तान में दाखिल होकर दुश्मनों से बदला लिया। भारतीय सेना के शौर्य, पराक्रम और अदम्य साहस पर संपूर्ण देश को गर्व है। 'ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया के सामने हमारी सेनाओं ने अदम्य साहस और शौर्य का प्रमाण दिया है।

राज्यपाल बोले -भारत के लोगों का संवाद की शक्ति में विश्वास

विश्व संवाद केंद्र . आद्य पत्रकार देवर्षि नारद स्मृति कार्यक्रम का आयोजन

पटना, एजेंसी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने कहा कि भारत के लोग संवाद की शक्ति में विश्वास रखते हैं। लेकिन, जिनके लिए संवाद की शक्ति अर्थहीन है, उनके लिए शक्ति के संवाद की आवश्यकता है। इस बात को हमारे ऋषियों ने हजारों साल पहले अग्रतः सकलं शास्त्रं, पृष्ठतः सशरं धनु..के रूप में स्थापित किया था। इसका अर्थ यह हुआ कि शांति को अपना परम धर्म मानते हैं, परंतु हम कायर नहीं हैं।

वे शनिवार को बीआईए सभागार में विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद स्मृति कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रीय अस्मिता और समकालीन चुनौतियां विषयक संगोष्ठी में तपः स्वाध्याय निरतं तपस्वी वाग्विदां वरम् का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्वामी रंगनाथ का जिक्र किया और कहा कि ज्ञान

को अर्जित करने के बाद उसे समाज में वितरित और विस्तारित करना ही मां सरस्वती के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

बीच के कालखंड में हमने अपने लोगों के बीच अर्जित ज्ञान का वितरण बंद कर दिया था, इस कारण बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा शासित होना पड़ा। हालांकि, विगत कुछ वर्षों से हमलोग अपनी मौलिक चीजों को पुनः स्थापित करने को लेकर प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि हमारे ज्ञान का उद्देश्य सुख की प्राप्ति नहीं, बल्कि अपने अंदर यह क्षमता विकसित करना है कि हमारे आसपास व्याप्त विविधताओं और विभिन्नताओं के पीछे छिपे एकात्मक भाव को देख सकें।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद की पुस्तक कोलंबो से अल्मोड़ा तक का अध्ययन करने की सलाह दी। अनिल विभाकर को डॉ. राजेंद्र प्रसाद पत्रकारिता शिखर सम्मान मिला विश्व संवाद केंद्र न्यास द्वारा बिहार के तीन पत्रकारों को सम्मानित किया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद पत्रकारिता शिखर सम्मान अनिल विभाकर को प्रदान किया गया। उत्कृष्ट रिपोर्टिंग के लिए पं. केशवराम भट्ट पत्रकारिता सम्मान नवादा के पत्रकार विशाल कुमार और रचनात्मक पत्रकारिता के लिए बाबूराव पटेल रचनाधर्मिता सम्मान प्रसिद्ध छाया पत्रकार सचिन कुमार को प्रदान किया गया। इस दौरान विश्व संवाद केंद्र की वार्षिक स्मारिका प्रत्यंचा का भी विमोचन हुआ। मंच संचालन विश्व संवाद केंद्र के संपादक संजीव कुमार और धन्यवाद ज्ञापन न्यास के सचिव डॉ. संजीव चौरसिया ने किया। हमारा संतुलन में विश्वास : नंदकिशोर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि भारत के लोग संतुलन में विश्वास रखते हैं। हम दैहिक, दैविक और भौतिक तीनों प्रकार की उन्नति में विश्वास रखते हैं। आज दुनिया जिस समस्या को लेकर चिंतित है, उसका चिंतन हमारे ऋषि-मुनियों ने वर्षों पहले कर लिया था। उसी का परिणाम है कि पेड़-पौधों को पानी, पशु पक्षियों को दाना देने को हम धार्मिक कृत्य मानते हैं।

बिहार में टीचरों की छुट्टी के लिए नई गाइडलाइन, स्कूल में छात्रों को अब रंगीन बेंच-डेस्क

पटना, एजेंसी। बिहार के स्कूलों में छोटे बच्चों को अब रंगीन बेंच-डेस्क दिए जाएंगे। यह छोटा भी होगा। इसी साल से इस योजना पर अमल हो जाएगा। एक से पांच तक बच्चों को किताब से पढ़ाया जाएगा। छठे क्लास से स्मार्ट बोर्ड पर पढ़ाई की सुविधा इसी साल से उपलब्ध हो जाएगी। शिक्षा की बात हर शनिवार कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने शिक्षकों से कहा कि वे ग्रिवांस पोर्टल पर शिकायत करें। व्यक्तिगत मोबाइल नंबर पर कोई समस्या भेजने के बजाए शिक्षक पोर्टल पर अपनी बात कहें। विभाग के अन्य अधिकारी भी उसे देखते हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए सैनिटरी पैड खरीदने को 300 रुपये दिए जाते हैं। शिक्षक अगर अपने काम को बोझ न समझें तो उन्हें बर्नआउट की स्थिति का सामना नहीं करना होगा। राज्यभर के स्कूलों का रेवेन्यू रिकॉर्ड होगा। स्कूलों में कितनी जमीन है, कितना अतिक्रमण है, इसका ब्योरा रहेगा। इसके लिए भू-संपदा व सहायक भू-संपदा पदाधिकारी बहाल किए जाएंगे, जो रेवेन्यू रिकॉर्ड का रखरखाव (मेंटेन) करेंगे। शिक्षकों की छुट्टी के लिए गाइडलाइन बनकर तैयार हो गई है। शिक्षकों को सीएल की छुट्टी एक दिन में मंजूर होगी।

कंकड़बाग से दीघा तक रिपेयर होंगी 18 टूटी सड़कें:दरोगा राय पथ से लेकर मलाही पकड़ी तक खोदे हुए रोड बनेंगे

आरसीडी को सौंपी गई लिस्ट

पटना, एजेंसी। पटना की सड़कों को बड़े स्तर पर खोदकर पाइपलाइन बिछाने का काम चल रहा है। जिन मेन रोड में काम पूरा हो गया है, वहां सड़कों की मरम्मत नहीं हुई है। बारिश में खुले मेनहोल, टूटी सड़कों की काफी समस्या होती है। जिन सड़कों पर सीवरेज नेटवर्क का काम पूरा कर लिया गया है, वहां का काम बुडको ने किया है। उन सड़कों की फिर से मरम्मती के लिए 18 सड़कों की लिस्ट पथ निर्माण विभाग (आरसीडी) को सौंपी गई है। मानसून से पहले ही बुडको एमडी अनिमेष कुमार पराशर द्वारा नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिया है कि खोदी गई सड़कों का काम पूरा होने के साथ ही रिस्टोर करें।

30 मई तक टूटी सड़कों की मरम्मत का दिया था निर्देश

तीन दिन पहले ही पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने 30 मई तक हर हाल में टूटी सड़कों की मरम्मति का आदेश दिया था। उन्होंने सभी एजेंसियों को निर्देशित किया कि निर्माण स्थलों पर सभी खुले मैनहोल को ढकने के साथ ही सभी गड्ढों को भी बिना कोई देरी भरना सुनिश्चित किया जाए। नई राजधानी पथ प्रमंडल, पटना में अब तक 12.787 किलोमीटर सड़क की मरम्मति पूरी कर ली गई है। पटना पश्चिम पथ प्रमंडल में 2.705 किलोमीटर में से 1.755 किलोमीटर पर काम पूरा हुआ है।

3642 मीटर सड़कों की होगी मरम्मती

नमामि गंगे प्रोजेक्ट में लगी एजेंसियों के अनुबंध में ही खोदी गई सड़कों को रिस्टोर करने का नियम है। काम के साथ ही सड़कों को पुराने स्वरूप में निर्माण किया जा रहा है। पथ निर्माण विभाग के सड़कों का रिस्टोरेशन उनके द्वारा ही किया जाता है। जबकि पटना नगर निगम की सड़कों की मरम्मती का काम बुडको की एजेंसी द्वारा किया जाता है। कुल 18 सड़क जिसकी लंबाई 3642 मीटर है, सीवेज पाइप बिछाने के बाद सड़कों को फिर से बनाने के लिए लिस्ट सौंपी गई है।

बिहार के क्रिकेटर मुकेश कुमार इंडिया-ए टीम में शामिल:इंग्लैंड दौरे पर जाएगी टीम

प्रदेश के तीन खिलाड़ियों को मिला मौका

गोपालगंज, एजेंसी। बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में बिहार के तीन खिलाड़ियों को एक साथ शामिल किया गया है। इनमें गोपालगंज के सदर प्रखंड काकड़कुंड गांव के मुकेश कुमार भी शामिल हैं। बता दें कि मुकेश दाहिने हाथ के तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 2001 में जिले के मिंज स्टेडियम से क्रिकेट की शुरुआत की। 2005-06 में प्रतिभा की तलाश क्रिकेट प्रतियोगिता में उनकी प्रतिभा को पहचाना गया। 2010-11 में एक दुर्घटना के बाद मुकेश कोलकाता चले गए। वहीं से उनके क्रिकेट करियर को नई दिशा मिली। 2014 में वे बंगाल टीम में शामिल हुए। 2015 में रणजी ट्रॉफी में हरियाणा के लाली ग्राउंड पर उन्होंने वीरेंद्र सहवाग का विकेट लिया।

साइकिल से 15-20 दूर खेलने जाते थे

बता दें कि मुकेश काशीनाथ सिंह के सबसे छोटे बेटे हैं। वे दो भाई और चार बहनों में सबसे छोटे हैं। उन्होंने स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की है। अपने शुरुआती दिनों में वे साइकिल से 15-20 किलोमीटर तक क्रिकेट खेलने जाते थे। खाने-पीने की चिंता किए बिना सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान देते थे। वर्ष 2009- 10 में बिहार अंडर 19 टीम में बीसीसीआई के बनाये गए कमेटी में खिलाड़ी भी रहे। बिहार की मान्यता नहीं रहने के कारण बंगाल से ही क्रिकेट खेलने का मन बना लिया। मुकेश ने अलग-अलग समय में टीम इंडिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। अब वे इंडिया-ए की तरफ से इंग्लैंड में खेलते नजर आएंगे। उनके चयन से गांव में खुशी का माहौल है। भाई डीएन सिंह ने बताया कि मुकेश बचपन से ही क्रिकेट के प्रति काफी लगाव रखता था। उसमें कभी हार नहीं मानने की जिद और अथक परिश्रम के बदौलत उसने खुद से अपनी मेहनत कर जगह बनाई है। विभिन्न जगह क्रिकेट मैच खेलकर कई ट्रॉफी भी जीती है। उसकी क्रिकेट के प्रति इतनी लगाव थी कि वह सुबह से लेकर शाम तक क्रिकेट ही खेलते रहता था। कई बार परिजन उसे उसकी यह लगाव देख कर डांट-फटकार भी लगाया करते थे। इसके बावजूद परिजनों से छिपकर वह क्रिकेट खेलने निकल जाता था। बताया जाता है कि मुकेश की%पूर्व में माली हालत अच्छी नहीं थी जिसके कारण वे चाह कर भी आगे की पढ़ाई नहीं कर पाए किसी तरह स्नातक तक की पढ़ाई पूरी की। इसी बीच वह कोलकाता चले गए जहां उनके पिता टैक्सी चलाते थे। वहीं पर रहकर क्रिकेट खेलने लगे और आज उनकी सफलता सब के सामने है। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम को अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करना है। जहां पर उसे मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। 2023 में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान पहली बार मुकेश कुमार को टीम इंडिया में मौका मिला था। उन्होंने टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट में अपना डेब्यू किया है।

भारत ए टीम इस प्रकार है : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (उपकप्तान, विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

बाढ़ की समस्या के समाधान और सिंचाई पर 4415 करोड़ होंगे खर्च

पटना, एजेंसी। राज्य में बाढ़ की समस्या से समाधान और सिंचाई के आधुनिक प्रबंधन पर 4415 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसकी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। जल संसाधन विभाग ने राज्य में प्रभावी सिंचाई प्रबंधन और प्रभावी बाढ़ जोखिम प्रबंधन के लिए विश्व बैंक की सहायता से बिहार जल सुरक्षा एवं सिंचाई आधुनिकीकरण परियोजना तैयार की है। इसका 30 प्रतिशत यानी 1324.50 करोड़ राशि राज्य सरकार देगी। शेष 70 प्रतिशत यानी 3090.50 करोड़ रुपये विश्व बैंक से लोन लिया जाएगा। इसमें जलवायु अनुकुल सिंचाई पर 2487.00 करोड़, बाढ़ जोखिम न्यूनीकरण पर 1525.00 करोड़, जल शासन पर 243.00 करोड़ और परियोजना प्रबंधन पर 160.00 करोड़ खर्च होंगे। इसके तहत होने वाले कार्यों का नोडल विभाग जल संसाधन विभाग है। इसमें कार्य ग्रामीण विकास विभाग और कृषि विभाग भी करेगा। परियोजना का कार्य अगले सात वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। सोन, गंडक एवं कोसी बैराजों की पुनर्स्थापन, सोन पश्चिमी मुख्य नहर का आधुनिकीकरण, पश्चिमी कोसी सिंचाई योजनाओं की पुनर्स्थापन व आधुनिकीकरण, झंझारपुर शाखा नहर की पुनर्स्थापन व आधुनिकीकरण, सारण मुख्य नहर का नवीकरण व लाइनिंग शामिल हैं।

छात्रावास आंवटित ही नहीं तो ताला कैसे खुला

बीएन कॉलेज में स्थिति देख राज्यपाल हैरान; छात्र की मौत पर मांगी रिपोर्ट

पटना, एजेंसी। पटना स्थित बीएन कॉलेज में मंगलवार को हुई बमबाजी में छात्र सुधीर कुमार की मौत से आहत राज्यपाल सह कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां शनिवार को खुद कॉलेज कैंपस पहुंच गए। घटनास्थल पर लगभग एक घंटे तक उन्होंने पुलिस प्रशासन और पटना विश्वविद्यालय प्रशासन के पदाधिकारियों से हर पहलू पर जानकारी ली। साथ ही इस मामले की रिपोर्ट मांगी। राज्यपाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मैं राजभवन में बैठकर फैसला नहीं करूंगा। जहां समस्याएं होंगी, वहां जाकर निर्णय लूंगा। कैंपस में निर्दोष छात्र की हत्या बहुद ही दुखद है। कुलाधपति ने पटना विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों और पुलिस पदाधकारियों से जल्द रिपोर्ट मांगी तथा दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह से जल्द पूरे घटनाक्रम की एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है।

घटना के चार दिन गुजर जाने के बाद भी बीएन कॉलेज कैंपस में नहीं आने पर विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने विवि के पदाधिकारियों और पुलिस पदााधिकारियों को राजभवन भी बुलाया।

छात्रावास में कमरे खुले होने पर जताई नाराजगी : बीएन कॉलेज कैंपस से पैदल ही कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खां एन कॉलेज छात्रावास चले गए। छात्रावास की स्थिति देखकर आश्चर्यचकित रह गए। पूछा कि जब छात्रावास आवांटित ही नहीं हुआ तो ताला कैसा खुला हुआ है। कुछ कमरों का ताला टूटा भी है। जब राजभवन के आदेश से छात्रावास बंद कराया गया था तो बिना आदेश का छात्रावास कैसे खोल दिया गया। इसकी रिपोर्ट विश्वविद्यालय जल्द दें। कुलाधिपति ने कहा कि छात्रावास में अवैध तरीके से रहने वाले छात्रों को हटाने की जबावदेही सिर्फ शिक्षकों की नहीं है।

छात्र प्रतिनिधियों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी। ऐसी परिस्थिति में छात्रावासों को खोलना उचित नहीं है। कुलाधिपति ने खासकर छात्रों से अनुशासन में रहने की अपील की और कहा कि शिक्षकों का सम्मान करें। उनसे अभद्र व्यवहार न करें। कोई समस्या हो हमारे पास आएं। कैंपस में बेहतर माहौल बनाने की जिम्मेदारी सभी की है। वहीं मौजूद प्राचार्य कॉलेज के प्रो. राजकिशोर प्रसाद ने बताया सुबह में पुलिस ने छापेमारी की थी। इसमें कुछ लोगों को पकड़ा भी गया है।

24 विभागों में काम कर रहीं महिलाओं को अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा

पटना, एजेंसी। महिलाओं को सरकारी 24 विभागों में सबसे अधिक कठिनाई है। महिला संवाद में सामने आई समस्याओं की रिपोर्ट यह बताती है। स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, समाज कल्याण विभाग से अधिक शिकायतें महिलाओं को हैं। ये बातें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आदेश पर राज्य भर में चल रहे महिला संवाद के दौरान सामने आई हैं। कुल मिलाकर 24 विभागों में काम कर रहीं महिलाओं को अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। आधी आबादी ने अबतक अलग-अलग विभागों में अटके हुए

काम, समस्याओं को महिला संवाद में दर्ज कराया, जिसे विभागवार अलग-अलग किया गया। इन संबंधित विभागों को इसपर कार्रवाई का जिम्मा दिया गया है। जिले में चिन्हित 18 हजार शिकायतों में 9 हजार पर ही अबतक कार्रवाई हुई है। इसमें भी ग्रामीण विकास विभाग के पास सबसे अधिक 2427 शिकायतें पेंडिंग हैं। दूसरे नंबर पर स्वास्थ्य विभाग है, जहां एक हजार से अधिक मामले पेडिंग हैं। सबसे कम शिकायतें आपदा प्रबंधन, अजा-अजजा विभाग से हैं।

विभागवार आये मामले और निदान के आंकड़े : महिलाओं ने शिक्षा विभाग से संबंधित जो समस्याएं बताईं, उनमें 1375 मामलों का निष्पादन हो चुका है और 567 अब भी पेंडिंग है। अजा-अजजा विभाग के 3 मामलों का निष्पादन हुआ और 9 लंबित हैं। सामाजिक कल्याण विभाग के 1158 मामले में कार्रवाई हुई जबकि 715 लंबित है। योजना एवं विकास विभाग से 20 मामलों का निपटारा हुआ है और एक पेंडिंग है। खाद्य विभाग से संबंधित 41 मामलों का समाधान हुआ जबकि 136 लंबित है। को-ऑपरेटिव से 3 मामलों का समाधान और 72 पेंडिंग है। श्रम विभाग से 51 पर कार्रवाई हुई, 184 लंबित है। पंचायती राज विभाग से संबंधित 559 अब भी लंबित हैं। महिलाओं ने कहा कि अपर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रेबिज समेत अन्य टीका उपलब्ध नहीं होता है।

बेकाबू ऑटो साइकिल को रौंदते हुए पलटा, छह शिक्षिकाएं घायल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर-दरभंगा पुराने रोड पर गरहां में शनिवार की सुबह बेकाबू ऑटो साइकिल को रौंदते हुए दीवार से टकराकर पलट गया। इसमें आधा दर्जन शिक्षिकाएं और साइकिल सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ऑटो शहर से सभी शिक्षिकाओं को लेकर शर्फुद्दीनपुर की ओर जा रहा था। हादसे के बाद चालक भाग गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 व गरहां पुलिस ने घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बोचहां अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में शिक्षिका उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के पुरबावां भल्लावां निवासी रूबी बानो को एसकेएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं, घायल साइकिल सवार पतिराम भगत को परिजन निजी क्लीनिक ले गये।

ग्राम कचहरी सचिव उमेश रजक व गरहां के सुरेश राय ने बताया कि गरहां में शहर की ओर से आ रहे पतिराम भगत रोड किनारे स्थित अपने दरवाजे पर जाने के लिए दायीं ओर मुड़े। इसी दौरान बेकाबू ऑटो ने ठोकर मार दी। मध्य विद्यालय बोचहां के शिक्षक जाहिद हुसैन ने बताया कि टीआरई 3 में चयनित उत्तरप्रदेश की शिक्षिका रूबी बानो शुक्रवार को स्कूल में योगदान किया था। थानाध्यक्ष आशीष कुमार ठाकुर ने बताया कि ऑटो व साइकिल को जब्त कर लिया गया है। आवेदन मिलने पर छानबीन की जाएगी।

हादसे में ये हुए हैं घायल : श्री पारसनाथ राजकीय मध्य विद्यालय बोचहां में कार्यरत उत्तरप्रदेश के हरदोई जिले के पुरबावां भल्लावां निवासी रूबी बानो (37), उत्तरप्रदेश के मेरठ निवासी सुखपाल सिंह की पत्नी स्वर्णा कुमारी, बल्थीरसूलपुर पंचायत के मध्य विद्यालय रोशी में कार्यरत शिक्षिका रोशी निवासी सरोज कुमार झा की पत्नी रानी कुमारी, पश्चिम चंपारण के सिठ्ठी गौनाहा निवासी प्रिंस कुमार की पत्नी मनीषा कुमारी, मध्य विद्यालय देवगन में कार्यरत शिक्षिका रेखा कुमारी, मवि ककड़ाचक पश्चिमी में कार्यरत शिक्षिका कटरा धनौर निवासी देवेंद्र पंडित की पुत्री सिमरन कुमारी व साइकिल सवार गरहां निवासी स्व. गुलाम भगत के पुत्र पतिराम भगत (37) शामिल हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पास इस बार खिताब जीतने का सुनहरा मौका : सुरेश रैना

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शानदार लय में नजर आ रही है और पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार टीम के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका है। विराट कोहली की कप्तानी में 2016 में फाइनल तक पहुंची बेंगलुरु की टीम उस साल सनराइजर्स हैदराबाद से हार गई थी, लेकिन अब टीम के प्रदर्शन में निखार आया है। रैना ने कहा कि बेंगलुरु इस बार अलग स्तर की क्रिकेट खेल रही है। उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में कम स्कोर 150 और 136 रन का सफलतापूर्वक बचाव कर दिखाया है, जो उनके गेंदबाजी आक्रमण की मजबूती को दर्शाता है। इसके साथ ही नए कप्तान के नेतृत्व में टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स जैसी मजबूत टीम को दो बार हराया है, जो उनके आत्मविश्वास और रणनीति का प्रमाण है। रैना ने आगे कहा कि ड्रेसिंग रूम में पॉजिटिव माहौल है और खिलाड़ी एकजुटता के साथ खेल रहे हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स जैसी टीमें भी अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन यह साल विराट कोहली का हो सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोहली इस साल आरसीबी को पहली बार आईपीएल ट्रॉफी दिला सकते हैं, जिससे 18 साल का इंतजार खत्म हो सकता है। रैना ने सोमवार को एक ट्वीट में भी कोहली की जमकर तारीफ की थी। उन्होंने लिखा, "आपकी टेस्ट क्रिकेट में जुनून और नेतृत्व ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है, भाई! प्यार और सम्मान।" कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी और अब 10 दिन के ब्रेक के बाद वे आईपीएल में वापसी कर रहे हैं।

बेहद सादा और अनुशासित जीवन है विराट की सेहत का राज

एजेंसी, नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज़ विराट कोहली ने आखिरकार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। आजकल उनकी बेमिसाल फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी रही। विराट की मैदान में ऊर्जा और स्टैमिना का राज सिर्फ जिम या वर्कआउट नहीं, बल्कि उनका बेहद सादा और अनुशासित जीवन है। विराट कोहली की दिनचर्या और डाइट बेहद संतुलित और साफ-सुथरी है। कोहली ने हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता दी और फिटनेस को लेकर उनकी गंभीरता सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती है। वे सुबह जल्दी उठते हैं और दिन की शुरुआत पानी पीने से करते हैं। वे नींबू पानी या शहद मिलाकर खुद को हाइड्रेट रखते हैं। इसके बाद हल्का व्यायाम करते हैं जिसमें वार्म-अप, स्ट्रेचिंग और कार्डियो शामिल होता है। योग और ध्यान भी उनके रुटीन का हिस्सा है, जो मानसिक शांति और फोकस बनाए रखने में मदद करता है। डाइट की बात करें तो कोहली पूरी तरह शाकाहारी हो चुके हैं और उनकी थाली में प्लांट बेस्ड चीजें ही होती हैं।

कोलकाता में ही खेला जाएगा आईपीएल फाइनल : गांगुली

एजेंसी, कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल की मेजबानी कोलकाता के ईडन गार्डन की जगह किसी अन्य स्थल को दिये जाने की चर्चाओं के बीच ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि ये इतना आसान नहीं है। गांगुली के अनुसर बंगाल बोर्ड (कैब) के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अच्छे संबंध हैं। इसलिए उन्हें पूरा भरोसा है कि फाइनल कोलकाता से बाहर नहीं जाएगा। शुरुआत में फाइनल कोलकाता में 25 मई को खेला जाना तय था पर बीच में भारत-पाकिस्तान के बची टकराव के कारण आईपीएल

एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया गया था। दौबारा शुरु होने पर बोर्ड ने तीन जून को खेले जाने वाले फाइनल के स्थल की जानकारी नहीं दी। ये कहा जा रहा है कि इस दिन कोलकाता में बारिश की संभावना को देखते हुए फाइनल किसी अन्य स्थल पर खेला जाएगा। कैब के पूर्व अध्यक्ष रहे गांगुली से जब पूछा गया कि क्या कोलकाता तय कार्यक्रम के अनुसार ही फाइनल मैच की मेजबानी करेगा तो उन्होंने कहा, 'हम प्रयास कर रहे हैं। साथ ही कहा कि है? यह ईडन का प्लेऑफ है, और मुझे भरोसा है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा क्योंकि मैच को अचानक ही किसी दूसरे स्थल पर ले जाना आसान नहीं है। इसी बीच प्रशंसकों ने भी मांग की है कि फाइनल कोलकाता में ही खेल जाना चाहिये।

गांगुली ने कहा कि विरोध से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं प्लेऑफ स्थलों को तय करने में हो रही पर गांगुली ने कहा, 'कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस मैदान पर अपने लीग मैच खेले हैं, इसलिए कोलकाता पहली सूची में शामिल नहीं है।' ईडन गार्डन को 2024 सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिताब जीतने के कारण इस सत्र के फाइनल के मेजबानी का अधिकार मिला था। इस स्थल में ही आईपीएल का उद्घाटन मैच भी खेला गया था।

आईपीएल 2025: बेंगलुरु-कोलकाता मुकाबला बिना टॉस के रद्द, प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई केकेआर

एजेंसी, बेंगलुरू

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 58वें मुकाबले में क्रिकेट प्रेमियों को मायूसी का सामना करना पड़ा। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। लगातार बारिश के कारण टॉस भी संभव नहीं हो सका और अंततः अंपायरों ने रात्रि 10:24 बजे मैच रद्द करने का निर्णय लिया।

बारिश से मुकाबला रद्द होने के चलते दोनों टीमों को 1-1 अंक दिए गए। इस परिणाम ने आरसीबी को 17 अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचा दिया, जबकि कोलकाता की प्लेऑफ की उम्मीदों पर पूर्णविराम लग गया। केकेआर 13 मैच में 12 अंक तक ही पहुंच सकी। एक ओर बेंगलुरु की टीम 17 अंकों के साथ शीर्ष चार में जगह बनाने के काफी करीब पहुंच गई है। हालांकि उसकी प्लेऑफ में जगह पक्की नहीं हुई है, क्योंकि चार टीमों के पास अब भी 17 या उससे अधिक अंक अर्जित करने का मौका है।

वहीं, डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैच रद्द होने के बाद मिले एक अंक से करारा झटका लगा है। आईपीएल 2025 का 58वां मुकाबला धुलने के साथ ही डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी टूट गईं। अब कोलकाता नाइट राइडर्स 13 मैच में 5 जीत, 6 हार और 2 मैच का परिणाम नहीं निकलने के साथ 12 अंक लेकर छठे पायदान पर है। इससे पहले मौजूदा सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के बीच भी मुकाबला रद्द रहा था।

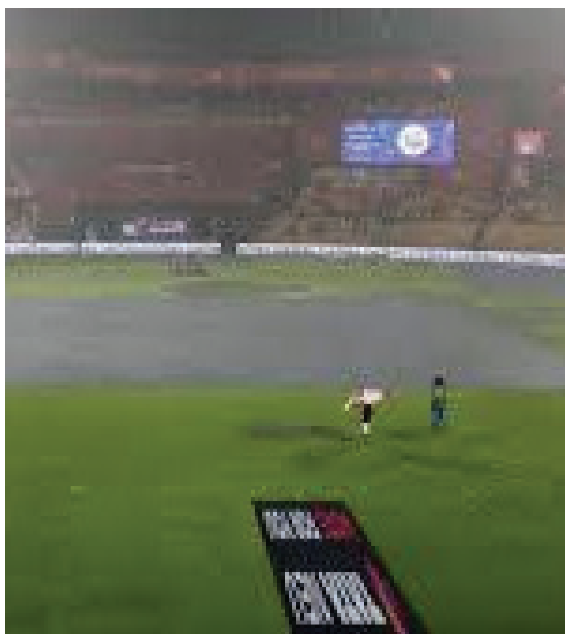

कोहली को सम्मान देने पहुंचे फैंस, आसमान में भी दिखा अद्भुत नजारा

एजेंसी, बेंगलुरू

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच शनिवार को मुकाबले के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का रोमांच एक बार फिर शुरू हुआ। हालांकि तेज बारिश के कारण यह मुकाबला रद्द हो गया। मैच के रद्द होने के चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। इसके बाद केकेआर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, जबकि बेंगलुरु की टीम अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है।

बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में यह मैच भले ही न हो पाया हो, लेकिन होम टीम आरसीबी के फैंस अपने चहेते खिलाड़ी विराट कोहली को देखने बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचे थे। फैंस 18 नंबर की सफेद जर्सी पहने स्टेडियम में नजर आए, लेकिन बारिश के चलते वह अपने चहेते खिलाड़ी को खेलते हुए नहीं देख सके।

दरअसल हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली शनिवार को पहली बार मैदान पर उतरने वाले थे, इसलिए एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में विराट को खास सम्मान देने के लिए फैंस सफेद जर्सी में आए थे। आरसीबी ने रविवार को सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर विराट को बड़ी संख्या में देखने पहुंचे फैंस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, चिन्नास्वामी सफेद हो गया- किंग कोहली के टेस्ट करियर को सम्मान। फ्रेंचाइजी ने आगे लिखा कि विराट कोहली के शानदार टेस्ट करियर को दिल को छू लेने वाला सम्मान देने के लिए प्रशंसक न केवल बड़ी संख्या में बल्कि भावनाओं में भी दिखाई दिए, सफेद कपड़ों में लिपटे हुए - नारे लगाते हुए और विशेष बैनर के साथ,

जिसने इसे खेल में एक ऐतिहासिक क्षण बना दिया। दुनिया के सबसे चहेते क्रिकेटर विराट कोहली की विरासत का जश्न मनाया।

आसमान में दिखा अद्भुत नजारासोशल मीडिया पर एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बारिश के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के ऊपर से सफेद कबूतरों का एक झुंड जाते हुए देखा जा सकता है। इसके बाद फैंस कह रहे हैं कि देखो ये सफेद पक्षी भी कोहली के सम्मान में स्टेडियम आए हैं। पक्षियों के झुंड की यह छलक टीम ने भी अपने वीडियो में शेयर की है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ऐसे में उनको सम्मान देने के लिए बेंगलुरु में फैंस कोहली के नाम की सफेद यानी टेस्ट जर्सी पहनकर आए थे।

विराट कोहली ने कुल 123 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 46.85 की औसत से 9230 रन बनाए। टेस्ट में विराट के नाम 30 शतक और 31 अर्धशतक हैं।

'संडे ऑन साइकिल' को सानिया मिर्ज़ा और शंकर महादेवन का समर्थन, 18 मई को देशभर में होगा आयोजन

एजेंसी, नई दिल्ली

फिट इंडिया मूवमेंट और सीबीआईसी–गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) विभाग के संयुक्त प्रयास से 18 मई को देश का सबसे बड़ा साइक्लिंग इवेंट 'संडे ऑन साइकिल' आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन जीएसटी के 8 वर्षों के सफल कार्यान्वयन को समर्पित है और देश को फिट और स्वस्थ बनाने के मिशन का हिस्सा है। यह कार्यक्रम देशभर के 200 सीबीआईसी–जीएसटीकेंद्रों समेत कई स्थानों पर आयोजित होगा, जिसमें लाखों साइक्लिंग प्रेमी फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए एक साथ साइकिल चलाएंगे। इस अभियान को सोशल मीडिया पर खेल, संगीत और फिल्म जगत के कई दिग्गजों ने समर्थन दिया है, जिनमें सानिया मिर्ज़ा, मिलिंद सोमन, सुनील शेट्टी, इमरान हाशमी, इम्तियाज़ अली, जॉन अब्राहम और शंकर महादेवन शामिल हैं। इन हस्तियों ने साइक्लिंग और फिटनेस को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताया है। दिल्ली में इस आयोजन में विशेष रूप से शामिल होंगी। इंटरनेशनल मास्टर और वुमन ग्रैंडमास्टर तानिया सचदेव, जिन्होंने हाल ही में बुडापेस्ट में हुए 2024 चेस ओलंपियाड में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता है। उनके साथ 'पुश-अप मैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध रोहताश चौधरी भी भाग लेंगे। इस अवसर पर योगा, रस्सी कूद और जुम्बा जैसे फिटनेस एक्टिविटी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। शंकर महादेवन ने अपने वीडियो संदेश में कहा, "भारत फिटनेस की ओर एक कदम बढ़ा रहा है। मैं सभी से निवेदन करता हूं कि इस रविवार हमारे अधिकारियों के साथ साइकिलिंग में हिस्सा लें और इसे यादगार बनाएं।" मिलिंद सोमन ने कहा, "फिट हम, तो फिट इंडिया।" गौरतलब है कि दिसंबर 2024 में शुरू हुई इस साइक्लिंग पहल में अब तक 5,500 से ज्यादा स्थानों पर 3 लाख से अधिक लोग भाग ले चुके हैं। बैडमिंटन स्टार सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जिन्हें हाल ही में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला है, ने इस अभियान की सराहना की है और इसे फिटनेस के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए भी अहम बताया है।

फुटबॉल : महिला टीम की खिलाड़ियों से मिले पुरुष टीम के कप्तान सुनील छेत्री, किया प्रेरित

एजेंसी, बेंगलुरु

भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने भारतीय महिला फुटबॉल टीम के बेंगलुरु स्थित शिविर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अगले महीने होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर के लिए तैयारी कर रहीं महिला टीम की खिलाड़ियों से बात की और उन्हें प्रेरित किया। इस दौरान खिलाड़ियों की ओर से सुनील छेत्री को टीम के सभी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक जर्सी भी भेंट की गई। सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही है। टीम 29 मई और 3 जून को उज्बेकिस्तान

के खिलाफ दो फीफा महिला अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच भी खेलेगी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने रविवार को बताया कि यह पहली बार नहीं था कि छेत्री महिला टीम के खिलाड़ियों से मिलने आए, लेकिन उन्होंने शिविर में कई नए चेहरों को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। छेत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव था। पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब बहुत ज़्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना बूढ़ा हो गया हूं। बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं और मुझे उनके बारे में मुख्य कोच से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने कहा कि हर कोई खुश नजर आ रहा था। उन्हें उज्बेकिस्तान के खिलाफ कुछ अच्छे दोस्ताना मैच खेलने हैं और फिर एशियाई कप क्वालीफायर्स खेलने हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं बस यही चाहता हूं कि वे खुश रहें, एक-दूसरे के साथ सहज महसूस करें और अपनी ट्रेनिंग का आनंद लें। ग्रुप बी में शामिल भारतीय महिला टीम अपना एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफाइंग अभियान 23 जून को थाईलैंड के चियांग माई में मंगोलिया के खिलाफ शुरू करेगी, जिसके बाद वो तिमोर-लेस्ते (29 जून), इराक (2 जुलाई) और मेजबान थाईलैंड (5 जुलाई) से खेलेंगे।

अमेरिका में खेलेंगे ताईक्वांडो खिलाड़ी व प्रयागराज में तैनात सिपाही ऋषि राय

एजेंसी, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के प्रयागराज पुलिस तैनात सिपाही ऋषी राय 22 जून से 7 जूलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पुलिस गेम्स में खेलने जाएंगे। यह जानकारी रविवार को हिन्दुस्थान समाचार एजेंसी के प्रतिनिधि से अनौपचारिक मुलाकात में ताईकांडो खिलाड़ी ऋषी राय ने दी। प्रयागराज पुलिस लाइंस में तैनात सिपाही गौतम स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षित ऋषी राय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जनपद के सैदपुर गांव निवासी है। वह पुलिस विभाग में खेल कोटे से सिपाही के पद पर नियुक्त हुए है। उनकी खेल के प्रति लगन ने विश्व पुलिस गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयन हो गया । उन्होंने बताया कि

आगामी 27 जून से 7 जुलाई तक अमेरिका के बर्मिंघम स्थित अलबामा में इस वर्ष विश्व पुलिश गेम्स का आयोजन होने जा रहा है जिसके लिए भारतीय पुलिस् गेम्स में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों का चयन किया गया है । इसमें गाजीपुर के लाल और ताईक्वांडो खिलाड़ी ऋषी राय का चयन भारतीय ताईक्वांडो टीम में किया गया है जो अमेरिका में जुटने जा रहे विश्व के तमाम देशों के पुलिस खिलाड़ियों के समक्ष पुरुषों के 68किग्रा में भारत का नेतृत्व करेंगे। वहीं ऋषी राय के कोच व गौतम स्पोर्ट्स अकादमी के प्रबन्ध निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि ऋषी वर्ष 2016 में मेरे संपर्क में आए और उनके अनुशाषित दिनचर्या व ताईक्वांडो खेल के प्रति सच्ची निष्ठा भावना ने मुझे प्रभावित किया । कोच ने बताया कि ऋषी के नाम दर्जनों राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पदक हैं । इनके शानदार खेल के प्रदर्शन को देखते हुये राज्य सरकार के खेल कोटे से ऋषी राय को वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती कर लिया गया है । भर्ती के पश्चात् भी ऋषी के प्रशिक्षण व दिनचर्या में कोई बदलाव नही आया है और विगत वर्ष जून में गुवाहाटी(असम) में आयोजित नवीं अखिल भारतीय पुलिश गेम्स में भी बी.एस. एफ., सी.आर.पी.एफ. और आई.टी.बी.पी. जैसे टीमों को हरा कर स्वर्ण पदक जीता।

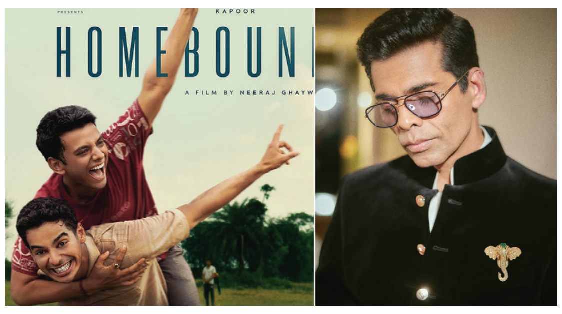

ईशान-विशाल की दोस्ती को दर्शाता फिल्म होमबाउंड का पहला पोस्टर

करण जौहर ने शेयर की खास जानकारी

करण जौहर ने कई फिल्मों का निर्देशन कर बॉलीवुड में सफलता हासिल की है। वहीं अब वह दर्शकों के लिए लेकर आ रहे हैं फिल्म होमबाउंड। करण ने हाल ही में फिल्म होमबाउंड का पहला पोस्टर शेयर किया और साथ ही इसकी स्टार कास्ट से भी रुबरु कराया। इस पोस्टर के साथ करण ने फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी भी सोशल मीडिया पर शेयर की है। करण ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म होमबाउंड का एक खास पोस्टर शेयर किया, जिसमें ईशान खट्टर के ऊपर विशाल जेठवा ख़ुशी से छोटो बच्चे की तरह चढ़ें हुए हैं और दोनों के हाव-भाव से लग रहा है कि दोनों किसी खेल से जीत की खुशी को चिल्लाते हुए जाहिर कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के तहत किया जाएगा। करण ने इंस्टाग्राम में पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, कुछ बंधन हमें आगे ले जाते हैं। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित और ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर अभिनीत होमबाउंड का पहला पोस्टर पेश है। 21 मई 2025 को कान फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर होगा। करण जौहर ने जैसे ही फिल्म होमबाउंड का पोस्टर शेयर किया। वैसे ही कई सेलेब्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। दीया मिर्जा ने करण की इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं। वहीं, निर्देशक जोया अख्तर ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ लिखा लवली। एक्टर संजय बिश्नोई ने काले दिल वाला इमोजी बनाया और फिल्म निर्देशक ओनिर ने फायर इमोजी बरसाए हैं। वहीं, श्रीधर दूबे ने लाल दिल वाले इमोजी बरसाए हैं। करण के इस पोस्ट पर फैंस ने भी जमकर प्यार बरसाया है। करण के पोस्ट पर यूजर ने दी भी कई मजेदार प्रतिक्रिया दी हैं। एक यूजर ने लिखा, कृपया जान्हवी कपूर को ऐसा बनाने की कोशिश करना बंद करें, एक और यूजर ने लिखा, इसमें आप मुझे कास्ट करना तो भूल ही गए, अब नहीं चलेगी, एक और यूजर ने लिखा, सुपर फ्लॉप, एक और यूजर ने लिखा, आपके नए प्रोजेक्ट के लिए बधाई। इस फिल्म में ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। होमबाउंड उन कुछ भारतीय फिल्मों में से एक है, जिसका प्रीमियर कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में किया जाएगा। फिल्म का निर्देशन नीरज घायवान ने किया है। होमबाउंड एक छोटे से भारतीय गांव के दो बचपन के दोस्तों की कहानी है, जो पुलिस ऑफिसर बनने का सपना देखते हैं। हालांकि, जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते में ख_ास आने लगती है और उनका रिश्ता टूटने लगता है। इस फिल्म में ईशान, विशाल और जाह्नवी के अलावा शालिनी वत्स, तुषार फुल्के और पंकज दुबे भी नजर आएंगे।

रश्मिका मंदाना संग शादी पर विजय देवरकोंडा का रिएक्शन

बोले- मुझे अभी पार्टनर की तलाश नहीं, हालांकि वो बहुत खूबसूरत और मेहनती हैं

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के रिश्ते को लेकर आए दिन कुछ ना कुछ छपता रहता है। हाल ही में विजय और रश्मिका की सगाई की खबरें भी आई थीं। अपने हालिया एक इंटरव्यू में विजय ने सगाई की अफवाहों, शादी और रश्मिका को लेकर बात की है। रश्मिका को बताया खूबसूरत और मेहनती फिल्मफेयर मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में रश्मिका मंदाना के बारे में बात करते हुए विजय ने उन्हें मेहनती बताया। उन्होंने कहा- 'मैंने रश्मिका के साथ ज्यादा फिल्में नहीं की हैं। मुझे उनके साथ और फिल्में करनी चाहिए। वो एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। वो एक खूबसूरत महिला हैं इसलिए केमिस्ट्री में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। वह बहुत मेहनती हैं। वो अपने इच्छा और कॉन्फिडेंस से किसी भी चीज को हरा सकती हैं। वो दयालु हैं और अपने ऊपर बाकियों के आराम और खुशी को प्रायोरिटी देती हैं।' फिलहाल शादी का कोई इरादा नहीं है इंटरव्यू के दौरान रश्मिका को डेट करने की बात पर विजय ने ना तो इसे खारिज किया और ना ही स्वीकार किया। शादी की बात पर एक्टर ने कहा- 'मैं शादी जरूर करूंगा। फिलहाल मैं पार्टनर की तलाशा नहीं कर रहा हूं।' विजय से जब पूछा गया कि क्या रश्मिका उनकी आदर्श पत्नी के पैमाने में फिट बैठती हैं? एक्टर ने जवाब में कहा- कोई भी अच्छी दिल वाली महिला इस पैमाने में फिट बैठती है। अक्सर साथ नजर आते हैं रश्मिका-विजय रश्मिका और विजय को अक्सर साथ देखा जाता है। दोनों को कई बार डेट पर जाते देखा गया है। जिसके चलते दोनों के रिलेशनशिप में होने की अफवाह है। हालांकि, दोनों ने अब तक अपने रिलेशनशिप को ऑफिशियली एक्सेप्ट नहीं किया है। रश्मिका मंदाना हाल ही में फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ नजर आई थी। फिल्म 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म रिलीज होने के कुछ घंटे बाद रश्मिका को मुंबई के एक रेस्टोरेंट में रूमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा के साथ देखा गया था। ऐसा कहा जा रहा था कि दोनों लंच डेट पर गए थे। हालांकि दोनों ने खुद कभी अपने रिश्ते की बात नहीं स्वीकारी है। दोनों एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

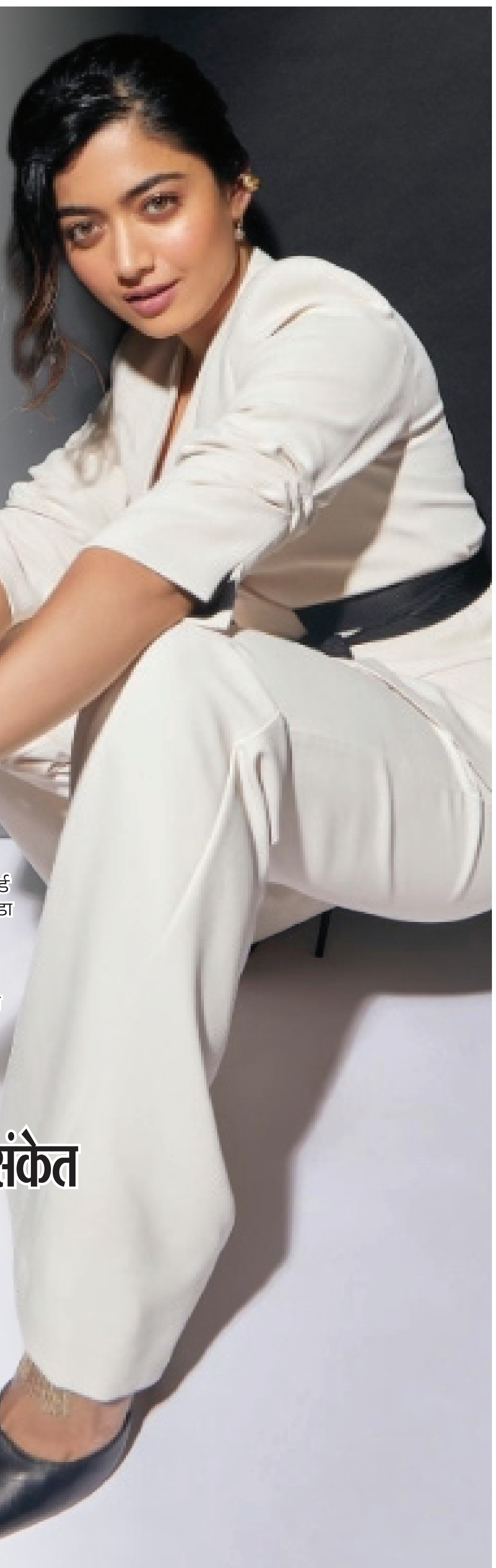

फिल्म वॉर 2 का टीजर 20 मई होगा रिलीज, ऋतिक रोशन ने दिए संकेत

ऋ तिक रोशन की फिल्म वॉर 2 का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के जरिए सुपरस्टार जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रहा हैं, वहीं इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी को सौंपी गई है। यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब वॉर 2 के टीजर से जुड़ी एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वॉर 2 का टीजर एनटीआर के जन्मदिन पर यानी 20 मई, 2025 को रिलीज किया जाएगा, वहीं फिल्म का पहला मोशन पोस्टर 17 मई को सामने आ सकता है। ऋतिक ने एनटीआर को टैग करते हुए संकेत दिए और लिखा, क्या आपको पता है कि इस साल 20 मई को क्या होने वाला है? यकीन मानिए आपको नहीं पता कि क्या होने वाला है। तैयार हैं? वॉर 2 में अभिनेत्री कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को नई पहचान दी कृष्णा श्रॉफ ने

फिटनेस को लेकर अपने व्यक्तिगत जुनून को एक प्रभावशाली व्यवसाय में बदलते हुए बालीवुड एक्टर जैकी श्राफ की बेटी कृष्णा श्रॉफ ने भारत में मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) को एक नई पहचान दी है। बालीवुड के ज्यादातर सेलिब्रिटीज फैशन, ब्यूटी या लाइफस्टाइल ब्रांड्स की ओर रुख करते हैं, वहीं कृष्णा ने कॉम्बैट स्पोर्ट्स जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र को चुना। यह फैसला उनके भीतर फिटनेस के प्रति गहरे समर्पण और भारत में मार्शल आर्ट्स की तेजी से बदलती दुनिया को एक मजबूत मंच देने की इच्छा का परिणाम है। उन्होंने इस पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान इंडस्ट्री में खुद को एक प्रभावशाली महिला उद्यमी के रूप में स्थापित किया है, जो उनकी व्यावसायिक दृष्टि और फिटनेस के प्रति सच्चे समर्पण को दर्शाता है। कृष्णा श्रॉफ की सबसे बड़ी पहल उनकी एमएमए आधारित संस्था एमएमए मैट्रिक्स है, जो केवल व्यायाम की जगह नहीं, बल्कि एक पूर्ण प्रशिक्षण मंच है। यह संस्था न केवल पुरुषों और महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करती है, बल्कि जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को पेशेवर स्तर पर विकसित करने का भी काम करती है। कृष्णा सिर्फ जिम मुहैया नहीं करातीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म और मेंटरशिप के अवसर भी देती हैं। उनकी इस सोच का विस्तार मैट्रिक्स फाइट नाइट (एमएफएन) के रूप में हुआ है, जो उन्होंने अपनी मां आयशा श्रॉफ और भाई टाइगर श्रॉफ के साथ मिलकर शुरू किया। यह भारत की प्रमुख एमएमए प्रमोशन कंपनियों में से एक बन चुकी है, जिसने हाल ही में अपना 16वां इवेंट नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित किया। कृष्णा के लिए फिटनेस केवल शरीर को आकार देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है जो मानसिक और शारीरिक संतुलन को प्राथमिकता देती है। वे ट्रेंडिंग डाइट्स में विश्वास नहीं करतीं, बल्कि एक कस्टमाइज फिटनेस रूटीन अपनाने की पक्षधर हैं। उनका मानना है कि फिटनेस को अस्थायी लक्ष्य की तरह नहीं, बल्कि जीवनभर के अनुशासन के रूप में अपनाना चाहिए।

वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की रिलीज डेट लॉक,15 मई 2026 को थिएटर में आएगी सिद्धार्थ मल्होत्रा-तमन्ना भाटिया की फैंटेसी ड्रामा फिल्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया पहली बार फैंटेसी ड्रामा फिल्म वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में साथ काम कर रहे हैं. वन- फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी है. मेकर्स ने अभी तक फिल्म का मोशन पोस्टर जारी किया था, लेकिन आज, उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है. 16 मई को बालाजी मोशन पिक्चर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर साझा करते हुए वन की रिलीज डेट का एलान किया है. रिलीज की तारीख का एलान करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, जंगल फुसफुसा रहा है. 15 मई, 2026 को फोर्स का प्रदर्शन किया जाएगा. बड़े पर्दे पर रोमांच के लिए तैयार हो जाइए. सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनित वन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट 15 मई, 2026 को रिलीज हो रही है. इससे पहले, मेकर्स ने सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्टारर फिल्म का एनिमेटेड टीजर जारी किया था. भारतीय लोककथाओं से प्रेरित वन में एक रहस्यमयी जंगल दिखाया गया है. जंगल में ऐसे रहस्य छिपे हैं जिन्हें अभी तक खोजा नहीं जा सका है. क्लिप में उनका चेहरा नहीं दिखाया गया था, लेकिन एक्ट्रेस लाल साड़ी में नंगे पैर जंगल की ओर दौड़ती हुई दिखाई दे रही थीं. एकता आर कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की निर्मित इस फिल्म का निर्देशन अरुणाभ कुमार और दीपक मिश्रा करेंगे. इस फिल्म की शूटिंग इस साल जून में शुरू होने वाली है.

निधि दत्ता ने मां बनने की कोशिशों से जुड़े भावुक अनुभव किए साझा

हाल ही में बालीवुड की प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने मां बनने की कोशिशों से जुड़े अपने बेहद भावुक और संघर्षपूर्ण अनुभव को साझा किया है। निधि ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक प्रेग्नेंसी फोटोशूट की तस्वीर साझा की, जिसमें उनका बेबी बंप दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक भावुक कैप्शन में अपने संघर्ष की कहानी भी लिखी। निधि ने लिखा कि यदि यह तस्वीर भारत के बाहर किसी और देश में पोस्ट होती, तो शायद इसे संवेदनशील कंटेंट के रूप में टैग किया जाता, क्योंकि यह उन लोगों के लिए ट्रिगरिंग हो सकती है, जो टीटीसी (ट्राई टू कंसीव) यानी मां बनने की कोशिश की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस शब्द से वह पहले अनजान थीं, लेकिन अब यह उनकी जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने लिखा, "यह सफर आंसुओं, डर, दर्द और लंबे इंतजार से होकर गुजरा है। मैंने हर दिन मुस्कान के पीछे आंसूओं को छिपाने, डर के बीच भरोसा बनाए रखने और दर्द के बीच हिम्मत जुटाने की कोशिश की।" उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चाहे आपके पास कितना भी सहयोगी जीवनसाथी और परिवार हो, यह रास्ता एक महिला को बेहद अकेला महसूस करा सकता है। निधि ने अपनी पोस्ट में इस बात पर जोर दिया कि ज्यादातर महिलाएं तब अपने अनुभव साझा करती हैं जब उनका बच्चा आ चुका होता है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि महिलाएं उस वक्त भी बोलें जब वे इस सफर से गुजर रही हों। निधि ने महिलाओं से अपील की कि वे हार न मानें और उम्मीद का दामन न छोड़ें। उन्होंने लिखा, "मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन मैं यहां हूं और कह रही हूं उम्मीद रखो, मुझे देखो और ताकत पाओ।" उन्होंने कहा कि भारत में बेहतरीन डॉक्टर हैं जो इलाज कर सकते हैं, लेकिन मानसिक और भावनात्मक समर्थन तभी मिल सकता है जब महिलाएं एक-दूसरे से खुलकर बात करें। उन्होंने बताया कि मातृत्व की राह उनके लिए आसान नहीं रही और इस सफर में उन्होंने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तौर पर गहरे उतार-चढ़ाव महसूस किए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक :-जेम्स मरांडी, प्रधान संपादक- माइकल मरांडी, कोटालपोखर जिला साहिबगंज, पिनकोड -816105 से प्रकाशित
संथाल संध्या डिजिटल संध्या दैनिक हिंदी न्यूज़पेपर, संपर्क नंबर:- 9800993294,9334344989, Email: santhalsandhya@gmail.com